राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 01 -नवम्बर-2023 वर्ष-6,अंक-281 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संसद में तो लौटे राहुल गांधी, 10 तुगलक लेन में कब जाएंगे वापस? अभी कहां है ठिकाना

नई दिल्ली। मोदी सरनेम मामले में घिरने के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की लोकसभा में तो वापसी हो गई है, लेकिन 12 तुगलक लेन में वह कब लौटेंगे इसे लेकर स्थित स्पष्ट नहीं है। खबर है कि करीब दो महीने बीत चुके हैं और राहुल अब तक अपने पुराने पते पर वापस नहीं लौटे हैं। 23 अप्रैल को उन्होंने बंगला छोड़ दिया था और मां सोनिया गांधी के साथ शिफ्ट हो गए थे। साल 2004 में उत्तर प्रदेश के अमेठी से लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद राहुल को यह बंगला आवंटित हुआ था। वह करीब 19 सालों तक यहां रहे। राहुल के करीबी सहयोगी बताते हैं कि वह 10 जनपथ बंगले में रह रहे हैं। साथ ही यह भी साफ नहीं है कि वह 12 तुगलक लेन में दोबारा कब लौटेंगे। लोकसभा के दो अधिकारियों का कहना है कि उन्हें इस बात की आधिकारिक जानकारी नहीं है कि राहुल अपने वास्तविक पते पर पहुंच गए हैं। राहुल के करीबी माने जाने वाले कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, %वह 10 जनपथ से ही काम कर रहे हैं। वह अपने आधिकारिक बंगले में नहीं लौटे हैं और कोई भी नहीं जानता कि वह वापस कब लौटेंगे। मोदी सरनेम मामले में दोषी साबित होने के बाद उन्हें सांसद के तौर पर अयोग्य घोषित कर दिया गया था। अयोग्य घोषित होने के 137 दिनों का बाद 7 अगस्त को उनकी सदस्यता बहाल कर दी गई थी। उस दौरान भारत के शीर्ष न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसे गुजरात हाईकोर्ट ने पहले बरकरार रखा था। सदस्यता बहाल होने के बाद 8 अगस्त को ही लोकसभा सचिवालय की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई थी और राहुल को उनका बंगला दोबार आवंटित कर दिया गया था। खास बात है कि कांग्रेस की बैठकों, रणनीतियों पर चर्चा के लिए राहुल के बंगले को बेहद अहम जगह माना जाता है। यही बंगला था, जहां राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने राहुल के साथ मुलाकात की थी। वहीं, कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार भी कई बार इस बंगले में राहुल के साथ बैठकें कर चुके हैं।

सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत की एकता के लिए काम किया : राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को बिना नाम लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत को एक भारत बनाने में सरदार पटेल की जो भूमिका रही उसे प्रमुखता से देश की जनता के सामने नहीं आने दिया गया। देश के पहले गृह मंत्री 'भारत रत्न' सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 'एकता दिवस' पर यहां आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ''स्वतंत्र भारत को एक भारत बनाने में सरदार पटेल की जो भूमिका रही उसे प्रमुखता से देश की जनता के सामने नहीं आने दिया गया। यह कुछ लोगों तक ही भारत में सीमित रखा गया।'' उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्षों से हम सरदार पटेल को वह सम्मान दिलाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसके वह सच्चे हकदार रहे हैं। 2013 में नरेन्द्र मोदी जी जब प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित हुए थे, उस वर्ष हमारी पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था और उस समय मैंने कार्यक्रम को हरी झंडी दिखायी थी।'' सिंह ने कहा, ''आज 10 साल बाद बतौर रक्षा मंत्री 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम को हरी झंडी दिखा रहा हूं।''

उन्होंने कहा, ''यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित किया जाता है कि देश के युवा सरदार पटेल के महत्व को समझ सकें और उनसे प्रेरणा लेकर भारत की एकता व अखंडता का संदेश जनता के बीच पहुंचाएं।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''देश के प्रथम गृह मंत्री की जयंती के अवसर पर हम जहां उनको याद कर रहे हैं और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं, वहीं हमें उन सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और नेताओं का स्मरण करना चाहिए जिन्होंने भारत को आजाद कराने और स्वतंत्र भारत के निर्माण में अपनी बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया।'' सरदार पटेल के कार्यों की सराहना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ''जब भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ तो वह 562 रियासतों में बंटा हुआ भारत था, लेकिन देश के गृह मंत्री के रूप में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जो भूमिका निभाई उसके कारण पूरा भारत एक हो पाया।'' सिंह ने कहा, ''यह सरदार पटेल की दूरदर्शिता और उनके रणनीतिक-कूटनीतिक क्षमता का ही कमाल था कि भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित की जा सकी। आप सबने जूनागढ़ रियासत और निजामशाही की घटनाओं के बारे में सुना होगा। सरदार पटेल ने इन दोनों रियासतों का भारत में विलय कराया।''

उन्होंने कहा, ''कल्पना कीजिए कि अगर सरदार पटेल ने सूझबूझ और दृढ़ता का परिचय न दिया होता तो आज भारतवासियों को जूनागढ़ और हैदराबाद जाने के लिए वीजा, पासपोर्ट की जरूरत पड़ती।''

सिंह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया में में 182 फुट ऊंची सरदार पटेल की प्रतिमा का निर्माण कराया है और उसका नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' रखा है। यह प्रतिमा न्यूयॉर्क के 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी' से भी बड़ी है। हम लोगों के लिए सौभाग्य का विषय है कि दुनिया में कोई भी प्रतिमा सरदार पटेल की प्रतिमा से बड़ी नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''मैं कई बार केवड़िया गया हूं, वह एक प्रेरणा स्थल और पर्यटन स्थल हैं।'' रक्षा मंत्री ने लोगों को वहां जाने की सलाह दी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''सरदार पटेल की जयंती एकता और एकजुटता के संकल्प का दिन है और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेने का भी यह दिन है।'' उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस पर भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत कई प्रमुख लोगों ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी।

इसके पहले मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पोस्ट किया, ''आधुनिक व अखण्ड भारत के विश्वकर्मा, लौह पुरुष, 'भारत रत्न' सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं सभी को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' की ढेरों शुभकामनाएं। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हम सभी 'सरदार साहब' के सपनों का भारत बनाने के लिए संकल्पित हैं।''

अगर सरदार पटेल नहीं होते तो भारत का मौजूदा मानचित्र संभव नहीं था: शाह

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि भारत की एकता और समृद्धि सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन का एकमात्र ध्येय था और उनकी बदौलत ही पृथ्वी पर एक संप्रभु तथा अखंड भारत का मौजूदा मानचित्र संभव हो पाया था। देश के पहले गृह मंत्री और लोह पुरूष के नाम से प्रसिद्ध सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती,राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर श्री शाह ने मंगलवार को यहां मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एकता दौड़ के आयोजन के मौके पर यह बात कही। इससे पहले उन्होंने सुबह सात बजे पटेल चौक स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा ,÷ देश के एकीकरण व निर्माण में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी का अविस्मरणीय योगदान है। आज सरदार साहब की जयंती के अवसर पर नई दिल्ली में उनकी प्रतिमा पर कृतज्ञ राष्ट्र के ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किये। एकता दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना करने से पहले श्री शाह ने कहा कि अंग्रेज इस देश को खंड खंड होने के लिए छोड़ कर गये थे लेकिन सरदार पटेल ने कुछ ही दिनों में 550 रियासतों को एकता के सूत्र में पिरो दिया। उन्होंने कहा,÷ सरदार नहीं होते तो आज जो भारत माता का जो मानचित्र है वह हम नहीं देख पाते। इस देश को एक करने में सरदार पटेल का अविस्मरणीय योगदान था और देश इसे कभी भुला नहीं सकता। शाह ने कहा कि इस एकता दिवस का अपना महत्व है क्योंकि यह आजादी के अमृतकाल के

दौरान पहला एकता दिवस है। आज यहां करीब 8 हजार प्रतिभागी एकता दौड में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी यह शपथ लें कि 25 वर्ष बाद जब 15 अगस्त 2047 में हम आजादी की शताब्दी मनायें तो भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में हर क्षेत्र में दुनिया में सबसे आगे खड़ा हो। इसके बाद उन्होंने सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलायी और एकता दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। जाने माने पहलवान योगेश्वर दत्त तथा अन्य खिलाडियों ने श्री शाह को झंडी सौंपी।

महाराष्ट्र के बीड में कर्फ्यू, इंटरनेट बंद: जालना में 3 लोगों ने सुसाइड की कोशिश की

बीड। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण हिंसक हो गया है। सबसे प्रभावित बीड़ जिले में एहतियातन कर्फ्यू लगा दिया है। यहां इंटरनेट भी बंद कर दिया है। जालना में पिछले 12 घंटों में तीन लोगों ने सुसाइड करने की कोशिश की। इस बीच शिंदे सरकार रात-भर एक्टिव मोड में रही। देर रात सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बैठक की। दिव्य मराठी के सूत्रों के मुताबिक, आज दोपहर तक सरकार कैबिनेट मीटिंग बुला सकती है। इसमें विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाने पर विचार कर सकती है। मराठाओं को आरक्षण देने के लिए सरकार अध्यादेश भी ला सकती है। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जारंगे जालना के अंतरौली में 6 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। सीएम ने मंगलवार सुबह उनसे बात की। इसके बाद उन्होंने पानी पिया।

2 दिनों में राज्य परिवहन निगम की 13 बसों में तोड़फोड़

राज्य में दो दिनों में राज्य परिवहन निगम की 13 बसों में तोड़फोड़ की गई है। इसके चलते 250 में से 30 डिपो बंद करने पड़े हैं। पथराव के बाद

पुणे-बीड बस सेवा बंद कर दी गई है। सोमवार रात मराठा समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने बीड बस डिपो में तोड़फोड़ की। करीब एक हजार लोगों की भीड़ डिपो में घुस गई और 60 से ज्यादा बसों के कांच फोड़ दिए। स्टेशन का कंट्रोल रूम भी तोड़ दिया।

वहीं, आंदोलनकर्ताओं ने उमरगा तहसील के तुरोरी गांव में कर्नाटक डिपो की एक बस में आग लगा दी। बस में 46 यात्री सवार थे, वे सभी सुरक्षित हैं। आग बुझाने के लिए आई फायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी कार्यकर्ताओं ने जला दिया।

एनसीपी के 2 विधायकों के घर जलाए, पथराव किया

आंदोलनकारियों ने सोमवार को एनसीपी के दो विधायकों के घरों में आग लगा दी। सुबह करीब 11 बजे बीड जिले के माजलगांव से एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंके के बंगले में घुसकर पथराव किया और आग लगा दी। उस समय विधायक, परिवार और स्टाफ बंगले में ही थे। दोपहर बाद बीड में ही एनसीपी के एक और विधायक संदीप क्षीरसागर का घर जला दिया। दोनों विधायक सुरक्षित हैं। प्रकाश सोलंके अजीत पवार गुट के हैं, वहीं क्षीरसागर शरद पवार गुट के हैं। आंदोलनकारियों ने बीड में ही नगर परिषद भवन और एनसीपी दफ्तर में भी आग लगाई है। मराठा आरक्षण आंदोलन इस साल अगस्त से ही चल रहा है। आरक्षण की मांग को लेकर पिछले 11 दिनों में 13 लोग सुसाइड कर चुके हैं।

सरररदार पटेल की अदम्य भावना, दूरदर्शिता और उनके असाधारण समर्पण को याद करते हैं-पीएम

- प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। सरदार पटेल की जयंती को देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि दी। इस पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लिखा कि सरदार पटेल की जयंती पर, हम उनकी अदम्य भावना, दूरदर्शिता और असाधारण समर्पण को याद करते हैं। जिनके साथ उन्होंने देश की नियति को आकार दिया। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हमारा मार्गदर्शन करती है और हम सदा उनके ऋणी रहेंगे। सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने पटेल चौक पर देश के पहले गृह मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। देश में सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में देशभर में जगह-जगह रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

ओडिशा के कटक में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने देश की एकता के लिए साथ दौड़ लगाई।

मुकेश अंबानी को चार दिन में तीसरी धमकी मिली

मांग की रकम बढ़कर 400 करोड़ हुई, ई-मेल भेजने वाले ने कहा- देश के बेस्ट शूटर से मरवाएंगे

मुंबई। देश के सबसे अमीर शख्स और बिजनेसमैन मुकेश अंबानी को चार दिन के अंदर जान से मारने की तीसरी धमकी मिली हैं। मुकेश अंबानी को 27 और 28 अक्टूबर को धमकी मिलने बाद सोमवार 30 अक्टूबर को फिर धमकी मिली है। गामदेवी पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह मुकेश अंबानी को कंपनी मेल आईडी पर एक ई-मेल आया। इसमें 400 करोड़ रुपए की मांग की गई है। मांग पूरी न करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है। इसके पहले शुक्रवार 27 अक्टूबर की शाम इसी मेल पर 20 करोड़ और शनिवार 28 अक्टूबर को 200 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। मेल में कहा गया कि देश के बेस्ट शूटर्स से उनको मरवा देगा। पुलिस के मुताबिक, उसी अकाउंट से आए मेल में लिखा है, हमारे ईमेल का जवाब नहीं मिला, इसलिए अब रकम 200 करोड़ है, ये नहीं मिला तो डेथ वारंट पर साइन तय समझो।

गामदेवी पुलिस स्टेशन जांच कर रहा है

27 अक्टूबर को पहला ईमेल के मिलने के बाद मुकेश अंबानी के सिक्योरिटी इंचार्ज की शिकायत के आधार पर गामदेवी पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ ढ्ढक्कष्ट की धारा 387 और 506 (2) के तहत FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इससे पहले भी अंबानी और उनके परिवार को कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं। इसके चलते पिछले साल 29 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उनकी सिक्योरिटी Z कैटेगरी से बढ़ाकर Z+

कर दी थी। सिक्योरिटी पर आने वाले खर्च का भुगतान मुकेश अंबानी करते हैं। यह खर्च 40 से 45 लाख रुपए महीना होता है।

पहले भी कई बार अंबानी को मिल चुकी है धमकी-10 जनवरी 2023 को मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मुंबई पुलिस ने बताया था कि स्कूल के लैंडलाइन पर शाम साढ़े चार बजे एक कॉल आई। फोन करने वाले ने स्कूल में टाइम बम लगाने का दावा किया था। इसके बाद फोन डिस्कनेक्ट हो गया था। 5 अक्टूबर 2022 को रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हॉस्पिटल के लैंडलाइन नंबर पर अनजान शख्स का दो बार कॉल आया, जिसमें कॉलर ने अंबानी परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पहली बार कॉल दोपहर करीब 1 बजे आया और दूसरा कॉल शाम 5 बजे आया। इसके बाद से अस्पताल और एंटीलिया (मुकेश अंबानी का घर) की सुरक्षा बढ़ा दी गई।

आखिर अरविन्द केजरीवाल को क्यों ईडी ने बुलाया, शराब घोटाले में कैसे आया उनका नाम

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को सोमवार को दो बड़े झटकों का सामना करना पड़ा। शराब घोटाले में पार्टी के दूसरे सबसे बड़े नेता मनीष सिसोदिया को जहां सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी अब प्रवर्तन निदेशालय ने तलब कर लिया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक को केंद्रीय जांच एजेंसी ने 2 नवंबर को पेश होने के लिए कहा है। इस मामले में सीबीआई अरविंद केजरीवाल से पूछताछ कर चुकी है, लेकिन ईडी के सवालों से पहली बार उनका सामना होगा।

केजरीवाल को ऐसे समय पर बुलाया गया है जब ईडी ने कोर्ट में कहा है कि शराब घोटाले के लाभार्थी के तौर पर आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाए जाने पर विचार चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूछे गए एक सवाल के जवाब में ईडी ने यह बात कही थी। केजरीवाल को ईडी ने पहली बार समन भेजा है, लेकिन इससे पहले फरवरी में उनके पीए बिभव कुमार और करीबी नेता जैस्मीन शाह से ईडी पूछताछ कर चुकी है। उसी दौरान मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली के मुख्यमंत्री को किस आधार पर बुलाया गया है और उनसे क्या-क्या सवाल किए जाएंगे यह तो ईडी ने आधिकारिक तौर पर नहीं बताया है। लेकिन जांच एजेंसियों की ओर से दायर चार्जशीट में कई बार उनका नाम प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से लिया गया है। एक चार्जशीट में ईडी ने दावा किया है कि खत्म की जा चुकी विवादित आबकारी नीति केजरीवाल का ब्रेनचाइल्ड (दिमाग की उपज) था। कोर्ट डॉक्युमेंट्स, चार्जशीट और रिमांड पेपर में मुख्यमंत्री के नाम का इस्तेमाल किया गया है। कथित बैठकों, निजी कंपनियों के लिए कमीशन तय करने, दिल्ली शराब कारोबार में साउथ के नेताओं और कारोबारियों को लाने के संबंध में उनका जिक्र किया गया है।

जनवरी में दायर ईडी की चार्जशीट के मुताबिक केजरीवाल ने कारोबारी समीर महेंद्रू से कहा, विजय (नायर) उनका आदमी है और वह उस पर भरोसा कर सकते हैं। नायर ने वीडियो कॉल के जरिए दोनों की बात कराई थी। ईडी चार्जशीट में महेंद्रू का वह बयान बताया गया है जो उन्होंने 15 नवंबर को रिकॉर्ड कराया। इसमें लिखा है, नायर ने इंडो स्प्रिट के मालिक समीर महेंद्रू की अरविंद केजरीवाल के साथ वीडियो कॉल कराई। यह हो नहीं सका तो उसने अपने फोन पर फेसटाइम के जरिए महेंदूर और केजरीवाल की बात कराई। केजरीवाल ने महेंद्रू से कहा कि विजय नायर उनका आदमी है और वह भरोसा कर सकते हैं।

इसके बाद 7 दिसंबर 2022 को मनीष सिसोदिया के पूर्व सचिव सी अरविंद ने जांच एजेंसी के सामने अपना बयान रिकॉर्ड कराते हुए दावा किया कि होलसेल कारोबारियों के लिए प्रॉफिट मार्जिन को बढ़ाकर 12 पर्सेंट किए जाने की जानकारी उन्हें मार्च 2021 में केजरीवाल के आवास पर दी गई। सी अरविंद ने ईडी को बताया कि मार्च 2021 के मध्य से पहले मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और कैलाश गहलोत की मौजूदगी में हुई ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में होलसेल शराब कारोबार को प्राइवेट प्लेयर्स को सौंपने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।

ईडी चार्जशीट में आगे कहा गया है, मार्च के मध्य में सी अरविंद को सिसोदिया ने केजरीवाल के आवास पर बुलाया (जहां पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी मौजूद थे)। सिसोदिया ने एक डॉक्युमेंट सी अरविंद को दिया, जोकि ड्राफ्ट जीओएम रिपोर्ट था और उसमें होलसेल कारोबार को निजी कंपनियों को देने का प्रस्ताव था। उन्हें उस दस्तावेज के आधार पर ड्राफ्ट जीओएम रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार था जब उन्होंने यह प्रस्ताव देखा था और जीओएम की बैठक में कभी इसकी चर्चा नहीं हुई थी। दिल्ली सरकार ने 2021-22 के लिए नई आबकारी नीति बनाई थी और शराब कारोबार को लेकर आमूलचूल परिवर्तन किए थे। हालांकि, इसे तब अचानक खत्म कर दिया गया जब दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने कथित अनियमितता की जांच का आदेश दे दिया।

संपादकीय

नेताओं पर हमला

देश में जन-प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए सजग रहने की जरूरत है। महाराष्ट्र में एक सत्तारूढ़ विधायक के घर पर पत्थरबाजी, आगजनी और तेलंगाना में एक सांसद पर चाकू से हमला बेहद चिंताजनक है। ये दो ताजा मामले इस बात के भी संकेत हैं कि जन-प्रतिनिधियों के विरुद्ध समाज के कुछ वर्गों में बड़ी नाराजगी है और नेताओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सचेत रहना चाहिए। जिन इलाकों में नेताओं का बहिष्कार या विरोध हो रहा है, वहां सुरक्षा एजेंसियों को ज्यादा सावधान रहना होगा। पहले भी हमने मणिपुर में जन-प्रतिनिधियों के खिलाफ गंभीर रोष देखा है। ध्यान रहे, महाराष्ट्र के बीड जिले के माजलगांव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक प्रकाश सोलंके के घर पर पहले पत्थरों से हमला किया गया और फिर उनके परिसर में खड़े वाहनों में आग लगा दी गई। स्थानीय राजनीति चाहे जो हो, पर जो लोग भी ऐसी हिंसा का नेतृत्व कर रहे हैं, उन्हें बाज आना चाहिए। लोकतंत्र में किसी नेता से कोई मांग करना या उम्मीद रखना जायज है,मगर किसी नेता पर हमला बोलना या उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करना अपराध है। अगर कोई नेता अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता है, तो चुनाव हराकर दंडित करने का रास्ता लोकतंत्र में उपलब्ध है, उसे आजमाना चाहिए। यह बहुत दुखद है कि तेलंगाना के सांसद के पी रेड्डी पर सोमवार दोपहर सिद्दीपेट जिले के सुरमपल्ली गांव में चाकू से हमला हुआ। रेड्डी दुब्बाक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। इस हिंसा की जांच होनी चाहिए और सुरक्षा में हुई चूक को गंभीरता से लेना चाहिए। आम तौर पर चुनाव प्रचार के समय नेता सहजता से लोगों के बीच आना-जाना शुरू कर देते हैं। हर नेता की गतिविधियां बढ़ जाती हैं, ऐसे में, सुरक्षा में चूक की गुंजाइश भी बढ़ जाती है। सांसद पर हुए हमले के बाद तेलंगाना के राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने दुख व्यक्त करते हुए उचित ही कहा है कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और ऐसी घटनाएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए खतरा हैं। वास्तव में, यह बात तमाम नेताओं की समझ में आनी चाहिए। अनेक मौके ऐसे आए हैं, जब बड़े राजनेताओं ने भी अपनी राजनीति के किसी न किसी मोड़ पर हिंसा को तार्किक ठहराने की कोशिश की है। अपने देश में नेताओं की पृष्ठभूमि में हिंसा के तत्व असामान्य नहीं हैं। दागदार नेताओं की दुनिया में सुधार के लिए काफी कोशिशें पहले हुई हैं, पर अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। नेताओं का स्वयं दागी या अपराधी होना समाज में क्या प्रभाव छोड़ता है, यह उनको भी अवश्य देखना और सोचना चाहिए। बहरहाल, जब चुनाव सामने हैं, तब तमाम राजनेताओं को सजग रहना होगा। अक्सर देखा गया है कि एक नेता ही दूसरे नेता के लिए मुश्किलें बढ़ाता है। आने वाले दिनों में अगर नेतागिरी हिंसा की राह पर चलेगी, तो इसका सर्वाधिक नुकसान नेताओं और उनके कार्यकर्ताओं को ही होगा। आरक्षण आंदोलन हो या पानी-बिजली की मांग या किसी मांग के पूरी न होने पर विरोध प्रदर्शन, कहीं भी हिंसा का सहारा न लिया जाए और न किसी को हिंसा के लिए उकसाया जाए। चुनावी मौसम में ऐसे सियासी ढर्रे से बचना होगा। राजनीति में हिंसा दोधारी तलवार की तरह है। यह तलवार न रहे, तो भारतीय लोकतंत्र के लिए ज्यादा अच्छा है। राजनीतिक आंदोलन गलत नहीं हैं, लेकिन उनमें हिंसा लोकतंत्र के साथ धोखा व जघन्य अपराध है। ऐसे हिंसक तत्वों को पूरी कड़ाई से दंडित करने की भी जरूरत है, ताकि कोई भी हिंसा की न सोचे।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

पति की दीर्घायु कामना का पर्व है करवाचौथ!

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

हर सुहागिन की कामना है कि वह अपने पति की दीर्घायु के लिए करवा चौथ का व्रत करे।जिसके लिए वह कई दिन पहले से सजने संवरने और धार्मिक आस्था के साथ उपवास रखकर इस पर्व को मनाती है। करवाचौथ का उपवास कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। इस बार करवा चौथ का व्रत एक नवंबर बुधवार के दिन मनाया जा रहा है। इस दिन कार्तिक संकष्टी चतुर्थी होती है। इस व्रत में भगवान शिव माता पार्वती और चंद्रमा का पूजन किया जाता है। इस बार करवा चौथ पर कई शुभ योग भी बन रहे हैं।एक नवंबर करवा चौथ के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग है। साथ ही इस दिन चंद्रमा शाम 4 बजकर 12 मिनट तक अपनी उच्च राशि वृषभ में रहेगा। इस दिन दोपहर में 2 बजकर 7 मिनट से शिव योग भी रहेगा। इस बार करवा चौथ पर शुभ योग में पूजन करने से उत्तम फल की प्राप्ति होगी।करवा चौथ पूजन का शुभ मुहुर्त सुबह पूजन के लिए शुभ मुहूर्त 7 बजकर 55 मिनट से 9 बजकर 18 मिनट तक अमृत चौघड़िया में व्रत करें। इसके बाद 10 बजकर 41 मिनट से लेकर 12 बजकर 4 मिनट तक शुभ चौघड़िया में पूजा करना शुभ रहेगा। शाम के समय 4 बजकर 13 मिनट से शाम में 5 बजकर 36 मिनट तक लाभ चौघड़िया में पूजन करना लाभप्रद होगा।एक नवंबर 2023 बुधवार करवा चौथ के दिनन चंद्रोदय रात में 8 बजकर 26 मिनट पर होगा।करवा चौथ के दिन सुबह स्नान आदि करें इसके बाद उपवास संकल्प लें। मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये। इस मंत्र को बोलकर संकल्प लें।यह संकल्प लेकर पूरे दिन निर्जला रहकर व्रत किया जाता है।इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला उपवास रख चंद्रमा की पूजा करती हैं। इसके साथ ही करवा चौथ पर भगवान शिव, मां पार्वती, गणेश और कार्तिकेय जी के अलावा करवा माता की पूजा का भी विधान है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, करवा चौथ का व्रत रखने और विधि-विधान के साथ पूजा करने से दांपत्य जीवन में मधुरता आती है और पति-पत्नी का रिश्त अटूट होता है। इसके अलावा पति की लंबी आयु के लिए भी करवा चौथ का व्रत रखा जाता है।

इसके बाद गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं।

इसके बाद आठ पूरियों का अठावरी बनाएं। साथ में कुछ मीठा और पकवान बनाएं

इसके बाद पीली मिट्टी से गौरी माता की प्रतिमा बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।गौरी की लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उसपर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग आदि सामग्री माता पार्वती को अर्पित करें।पूजा के समय जल से भरा एक लोटा रखें।बायना देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।रोली से करवे पर स्वास्तिक बनाएं। माता गौरी भगवान गणेश और करवा माता की विधिवत पूजा करें।

करवे पर 12 बिंदी रखें और गेहूं चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें। कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ से पानी घूमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।रात में चंद्रमा निकलने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद प्राप्त करे। करवाचौथ का उपवास सूर्योदय से पहले शुरू होता है जिसे चांद निकलने तक रखा जाता है।इस उपवास में सांस अपनी बहू को सरगी देती है।इस सरगी को लेकर बहुएं अपने व्रत की शुरुआत करती हैं।

इस व्रत में शाम के समय शुभ मुहूर्त में चांद निकलने से पहले पूरे शिव परिवार की पूजा की जाती है।चांद निकलने के बाद महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं और अपने पति के हाथ से पानी पीकर व्रत खोलती हैं।आइए जाने करवाचौथ व्रत की पूजा विधि

-सुबह सूर्योदय से पहले उठ जाएं। सरगी के रूप में मिला हुआ भोजन करें पानी पीएं और भगवान की पूजा करके निर्जला व्रत का संकल्प लें।करवाचौथ में महिलाएं पूरे दिन जल-अन्न कुछ ग्रहण नहीं करतीं फिर शाम के समय चांद को देखने के बाद दर्शन कर व्रत खोलती हैं।करवाचौथ की एक कथा भी है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहां तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी।

शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूंकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चांद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चांद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चांद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुंह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुंह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है।

उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियां करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियां उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक

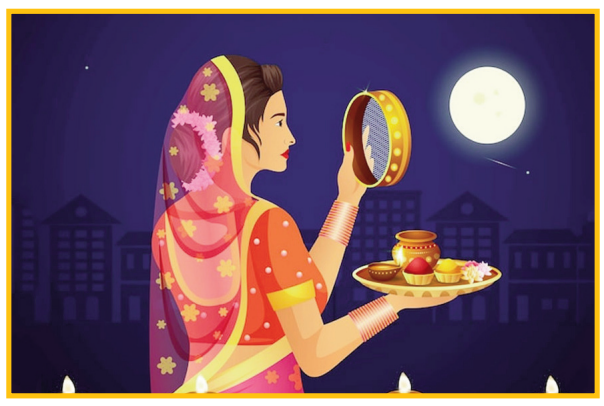

भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूंकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अत: उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह कर वह चली जाती है।

सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है।

अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अंगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुंह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है।कुंवारी लड़कियां करवा चौथ का व्रत एक अच्छे वर की तलाश में रखती है। जहां सुहागिन इस व्रत में चंद्रमा की पूजा करती है तो वहीं, कुंवारी लड़कियां तारों को पूजती हैं।

सुहागन के सुहाग की
रक्षा का महापर्व
सुहागन के उपवास पर
हर सुहाग करता गर्व
भारतीय संस्कृति का
यह अनूठा त्यौहार है
एक दूसरे के प्रति बढ़ता
इससे सद्व्यवहार है
करवा चौथ के पर्व पर
करो एक संकल्प
क्रोध जीवन मे न रहे
शांत स्वभाव विकल्प।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

हर पल के आनंद से कामयाबी की राह

रेनू सैनी

बस पांच साल की नौकरी और बाकी है, यह पूरी हो जाए तो जी भर के जिंदगी को जिएंगे। बस बच्चों का विवाह हो जाए, फिर मैं अपने पर पूरा ध्यान दूंगी। एक अच्छा-सा खुद का घर बना लूं, फिर अपने गायन के शौक को पूरा करूंगा। आपमें से कितने लोग ऐसे हैं जिनके मन में अक्सर इसी तरह के ख्याल कभी न कभी अवश्य आते हैं। निस्संदेह सभी के मन में ऐसी उथल-पुथल सदा मची रहती है और इन्हीं सब को पूरा करते-करते जिंदगी बीत जाती है। इसका अहसास अक्सर हमें तब होता है, जब बहुत देर हो चुकी होती है। आखिर इस देर को वक्त पर समझ कर क्यों न जीवन का आनंद उठाया जाए। क्या ऐसा संभव है? बिल्कुल संभव है। यदि आप शाओलिन की तकनीक को समझ जाएं। चीन के मध्य में, प्रांतीय राजधानी झेंग्झोऊ के बहुत ही करीब शाओलिन नामक एक गांव स्थित है। यह गांव अपनी प्रसिद्धि के कारण पूरी दुनिया में पहचाना जाता है। यहां पर लगभग आज से 1500 साल पहले भारतीय भिक्षु बोधिधर्म ने एक बौद्ध मठ की स्थापना की थी। यहां पर पन्द्रहवीं सदी से ही शाओलिन कुंग फू की कला को विकसित करने के निरंतर प्रयास जारी हैं। यह पढ़कर आप सोच रहे होंगे कि शाओलिन तो युद्ध से जुड़ी कला है, फिर इसके माध्यम से जीवन सुंदर और सकारात्मक कैसे बन सकता है? दरअसल, शाओलिन केवल युद्ध से जुड़ी कला भर नहीं है, अपितु यह जीवन जीने की संपूर्ण कला है। जो लोग इस मठ से शाओलिन मास्टर बनकर निकलते हैं, वे अपने शरीर के साथ तालमेल बिठाना सीख जाते हैं। वे अपने शरीर का सम्मान करते हैं और उनका सही तरह से उपयोग करते हैं। शाओलिन मास्टर इस विचार को पूरी तरह स्वीकार कर लेते हैं कि मस्तिष्क ही शरीर को सक्रिय और निष्क्रिय बनाता है। यदि बचपन से ही बच्चों के मन में जीवन के एक-एक क्षण का उपयोग करना सिखाया जाए तो वे कम उम्र में ऐसे इतिहास रच देते हैं कि दुनिया दांतों तले अंगुली दबाए देखती रह जाती है। 9 साल की अलधाबी अल म्हेरी एक ऐसी ही कम उम्र की बच्ची है जिसने बचपन से ही मां से जीवन एवं समय की उपयोगिता को समझ लिया था। आज यह बच्ची विश्व की सबसे छोटी उद्यमी है। यह रेनबो चिमनी एजुकेशनल एड्स बुकस्टोर और पब्लिशिंग हाउस की संस्थापक है। अलधाबी ने केवल सात साल और 360 दिन की उम्र में दो भाषा की बुक सीरीज लिखकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने इस पुस्तक को अंग्रेजी और अरबी दोनों भाषाओं में लिखा था ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुस्तक को पढ़ सकें। अलधाबी अल म्हेरी संयुक्त अरब अमीरात में रहती है। वह कहती है कि जब मैं अपनी मां के पेट में थी, तभी से मेरी मां लगातार किताबें पढ़ती रहती थी। जब मैं छह या सात महीने की हुई तो मेरी मां ने मुझे किताबों के साथ बैठकर कहानियां सुनाना शुरू कर दिया। जब मेरी मां कहानियां सुनाती थी तो मैं उनके शब्दों को सुनती थी। ढाई या तीन साल की उम्र में मैंने खुद से किताबें पढ़ना शुरू कर दिया था। मुझे पुस्तकों की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि उन्हें पढ़कर न केवल बढ़िया संदेश मिलता है बल्कि ज्ञान भी बढ़ता है। अलधाबी कहती हैं कि जब वे छह साल की थीं तो उन्होंने लगभग 1200 किताबें पढ़ ली थीं और सात या आठ साल की उम्र में उन्होंने 3000 किताबों को पढ़ लिया था। अलधाबी कहती हैं कि मेरी मां को मैंने हर समय, हर क्षण का पूरा उपयोग करते देखा, हर पल को आनंद से जीते देखा। बस यही सीख मैंने उनसे ले ली। अभी नौ साल की उम्र होने पर उन्होंने 'ऑगमेंटेड रियलिटी' पर पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक की खास बात यह है कि इसे 'ऑटिज्म' से पीड़ित बच्चे भी पढ़ सकते हैं। एक नौ वर्ष की बच्ची अपनी प्रतिभा से ऐसे बड़े काम करेगी तो दुनिया तो उस बच्ची की काबिलियत के आगे सिर झुकाएगी ही। अलधाबी के घर के कोने-कोने में शाओलिन तकनीक रची-बसी है। उसके भाई सईद रशीद

अल म्हेरी ने भी अभी हाल ही में एक पुस्तक लिखी है। सईद की उम्र अभी केवल पांच साल है। इससे ज्ञात होता है कि यदि माता-पिता बचपन से ही बच्चों को जीने के सिद्धांत बता दें तो कम उम्र से ही ऐसे बच्चे इतिहास रचने लगते हैं। दरअसल, शाओलिन तकनीक व्यक्ति को वर्तमान में जीना सिखाती है, उसे मजबूत बनाती है और उसे उत्कृष्टता का पाठ सिखाती है। इस क्षण का अनुभव ही जीवन है, शाओलिन के सिद्धांत का आरंभिक बिंदु यही बताता है। शाओलिन सिद्धांतों के अनुसार जीने का अर्थ है उस क्षण में जीना और उस खास क्षण को जीवन का एक अद्भुत, बहुमूल्य और क्षणिक हिस्सा मानना। यहूदी धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथ 'तालमुद' में कहा गया है कि, 'महज एक घंटा जीया हुआ वक्त भी जीवन है।' वहीं शाओलिन मठ के भिक्षु इससे एक कदम आगे बढ़कर कहते हैं कि, 'न सिर्फ जीया हुआ हर घंटा, बल्कि जीया हुआ हर पल जिंदगी है।'जब व्यक्ति हर पल को काटता नहीं बल्कि जीता है तो उसके ऐसे अनेक पल इकट्ठे होकर इतिहास रच देते हैं। छोटे-छोटे पलों में जिए गए और किए गए काम ही व्यक्ति को बड़ा बनाते हैं और उसकी पहचान कराते हैं। तो बताइए कि आप शाओलिन सिद्धांतों के अनुसार जीना कब से शुरू कर रहे हैं? क्यों न अभी से यह शुरुआत कर दी जाए।

विचार मंथन

इजरायल द्वारा रासायनिक हथियारों से हमास पर हमला ?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

स्पंज बम से सुरंग में छिपे सेकड़ों हमास के आतंकवादियों के मरने की खबर है। गाजा पट्टी में जमीन के अंदर सुरंग का नेटवर्क समाप्त करने, हमास के आतंकवादियों को खत्म करने के लिए रासायनिक हथियारों का उपयोग इजराइल की सेना द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। गाजा पट्टी पर पहले फास्फोरस बम का उपयोग किया गया था। अब सुरंग में छिपे आतंकवादियों को खत्म करने के लिए स्पंज बम का इस्तेमाल किया जा रहा है।दुनिया में पहली बार रासायनिक हथियारों का उपयोग इतने बड़े पैमाने पर खुले तौर पर इजरायल द्वारा किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाजा में जमीन के अंदर 500 किलोमीटर के सुरंग नेटवर्क में छिपे आतंक वादियों को, खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर स्पंज बम का उपयोग इजरायली सेना द्वारा किया जा रहा है। स्पंज बम के हमले से सुरंग में छिपे आतंकवादी दम घुटने से मौत का शिकार हो रहे हैं। इसके पहले इजरायल द्वारा फास्फोरस बम का इस्तेमाल किया गया था। रासायनिक हथियारों के उपयोग पर संयुक्त राष्ट्र संघ अथवा सुरक्षा परिषद ने कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। अब रासायनिक हथियारों से युद्ध लड़ने की एक नई शुरुआत इजरायल से शुरु हो गई है। स्पंज बम को केमिकल ग्रेनेड भी कहा जाता है। इसमें खास तरीके के केमिकल होते हैं। विस्फोट के बाद इसमें बड़ी मात्रा में फोम निकलता है। जो कुछ ही देर में बहुत कठोर परत के रूप में अपना स्थान बना लेता है। फोम से कठोर परत बनने के बाद सुरंग में हवा भी नहीं जा सकती है। इस परत को किसी भी तरह से काटा नहीं जा सकता है। सुरंग के अंदर जो भी होगा, वह दम घुटने से कुछ ही घंटे में अपने आप मर जाएगा। स्पंज बम को प्लास्टिक के कंटेनर में दो तरल पदार्थ को अलग-अलग करके रखा जाता है। इसके बीच में मेटल शीट होती है।जैसे ही स्पंज बम में विस्फोट किया जाता है। दोनों तरल पदार्थ मिलाकर फोम बनाना शुरू कर देते हैं। खाली जगह में फोम की ठोस परत बन जाती हैं। इसे भेदना किसी के लिए संभव नहीं होता है। दावा किया जा रहा है कि स्पंज बम का लापरवाही से उपयोग करने के कारण इजराइल के सैनिक भी अपने आंखों की रोशनी गंवा चुके हैं। हमास के आतंकवादियों ने सुरंग में बंधकों को भी रखा है। इजरायली सेना के स्पंज बम से आतंकवादियों के साथ - साथ बंधकों के मारे जाने का भी खतरा बढ़ गया है। इस बारे में इजराइल सरकार का कोई अधिकृत बयान नहीं आया है। इजरायल की सेना 500 किलोमीटर के सुरंग नेटवर्क को तहस नहस करने के लिए बड़े पैमाने पर स्पंज बम का उपयोग कर रही है।इजरायली सेना के लड़ाकू सुरंग के हर मुहाने को स्पंज बम से ढकने का काम कर रहे हैं। इजरायली सेना इसमें सफल हो गई, तो फिलिस्तीन का सुरंग नेटवर्क अपने आप समाप्त हो जाएगा। 2003 में अमेरिका ने इराक पर आक्रमण किया था। अमेरिका ने इराक पर आरोप लगाया था, कि सामूहिक विनाश के हथियार ईराक तैयार कर रहा हैं। उनमें सबसे बड़ा आरोप रासायनिक हथियार का था। युद्ध समाप्त होने के बाद रासायनिक हथियार होने के कोई भी प्रमाण नहीं मिले थे। अमेरिकी युद्ध में इराक जरुर बर्बाद हो गया। 2006 में इराक के राष्ट्राध्यक्ष सद्दाम हुसैन को फांसी की सजा अमेरिका ने दे दी। अमेरिका और इराक युद्ध में करीब 17690 इराकी सेना के जवान और अधिकारी मारे गए थे। 40000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। गठबंधन की सेना के भी 4821 सैनिक मारे गए थे। जिसमें 4000 से ज्यादा विदेशी लडाके थे। एक तरह से अमेरिका ने इराक पर कब्जा कर लिया था। लेकिन ज्यादा दिनों तक अमेरिका अपना कब्जा बनाकर नहीं रख पाया। 2011 में अमेरिकी सेना की वापसी हुई। जिन रासायनिक हथियारों की आशंका को लेकर इराक पर इतना बड़ा हमला किया गया था। आज इजराइल में वही रासायनिक हथियारों का उपयोग बड़े पैमाने पर किया जा रहा हैं। अमेरिका, रूस और चीन जैसे महाशक्तिशाली देश चुपचाप तमाशा देख रहे हैं। सारी दुनिया के देश चुपचाप हैं।

यह आश्चर्यचकित करने वाली घटना है। रासायनिक हथियारों का उपयोग परमाणु हथियार से भी ज्यादा घातक सिद्ध होते हैं। यही चिंता का सबसे बड़ा कारण बयन गया है।

सरकार प्याज की कीमतें बढ़ने से रोकने कर रही प्रयास

नई दिल्ली । त्योहारों के सीजन में प्याज के दाम बढ़ने से बाजार में हलचल है। कई राज्यों में तो बीते 15 दिनों में ही प्याज के दाम दोगुने से ज्यादा हो गए हैं। सरकार ने प्याज की कामतों को और बढ़ने से रोकने के लिए अपने भंडार से स्टॉक जारी करना शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से लिखा गया है कि सरकार इस समय महंगाई को रोकने के लिए अपने बफर स्टॉक से लगभग 16 शहरों में प्याज बेचना जारी रखेगी। दिल्ली के रिटेल बाजार में एवरेज क्वालिटी प्याज 80 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है, पहले से तुलना करें को बीते हफ्ते ये दाम 60 रुपये किलोग्राम और उसके एक हफ्ते पहले यानी आज से दो सप्ताह पहले 30 रुपये प्रति किलोग्राम पर था। कमजोर मानसून के कारण जून-सितंबर महीने में प्याज के दो बड़े सप्लायर्स राज्य महाराष्ट्र और कर्नाटक में फसल को नुकसान पहुंचाया, जिससे फसल की कटाई में देरी हुई, अब इसके चलते कीमतें फिर से बढ़ गई हैं। वहीं इस मामले में उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि निर्यात पर अंकुश लगाने के उपायों के बाद, सबसे बड़े उत्पादक महाराष्ट्र में सब्जियों की थोक कीमतों में गिरावट आई है।

उत्पाद शुल्क राजस्व बढ़ने से यूपी उत्साहित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने वित्त वर्ष 2023 में 42,250 करोड़ रुपये का उत्पाद शुल्क राजस्व अर्जित किया है, जो 2017-18 में दर्ज 14,000 करोड़ रुपये से तीन गुना अधिक है, जिस वर्ष योगी आदित्यनाथ सत्ता में आए थे। शराब राजस्व के मामले में यूपी कर्नाटक को पछाड़कर नंबर वन बन गया है। लेकिन कर्नाटक की तरह, यूपी में बेंगलुरु नहीं है, जो आईटी हब है और उच्च कमाई वाले युवाओं का घर है, जो नियमित पार्टियों की मेजबानी करते हैं। आबकारी आयुक्त सेंथिल पांडियन ने कहा,÷कर्नाटक अब दूसरे स्थान पर है। हमारी नीति ने उद्योग को एकाधिकार को तोड़ने के लिए लाइसेंस शुल्क-आधारित प्रणाली से उपभोग-आधारित प्रणाली में पूरी तरह से स्थानांतरित कर दिया। हमने दुकानों की संख्या भी प्रति व्यक्ति दो तक सीमित कर दी है। आवंटन पैटर्न को पहले नीलामी-आधारित मॉडल से ई-लॉटरी प्रणाली में बदल दिया गया था। हमने ट्रैक और ट्रेस सिस्टम स्थापित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया है।अग्रवाल कहते हैं, यूपी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क नीति में संशोधन ने बड़े खिलाड़ियों के एकाधिकार को खत्म कर दिया है और छोटे व्यवसायियों के लिए शराब क्षेत्र में प्रवेश करना संभव बना दिया है। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग ने पिछले वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान 16 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज की है। ऐसा शराब की बढ़ती मांग और पड़ोसी राज्यों से अवैध शराब और तस्करी के खिलाफ मजबूत प्रवर्तन के कारण हुआ है। दिल्ली सरकार की 2022-23 की विवादास्पद उत्पाद शुल्क नीति के विपरीत, जहां शराब व्यापारियों को खुली बोली के माध्यम से लाइसेंस दिए गए थे, यूपी में ई-लॉटरी प्रणाली है, जो छोटे खिलाड़ियों को उद्योग में प्रवेश करने की अनुमति देती है। दिल्ली की उत्पाद शुल्क नीति पर विवाद और राष्ट्रीय राजधानी में पसंदीदा ब्रांडों की उपलब्धता की कमी ने यूपी-एनसीआर जिलों (नोएडा और गाजियाबाद) के लिए भी एक अवसर पैदा किया।विभाग द्वारा की गई समीक्षा के अनुसार, इस वर्ष 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक राजस्व संग्रह 18,562 करोड़ रुपये रहा है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 16,025 करोड़ रुपये था।पूर्व अपर मुख्य सचिव, आबकारी, (अब सेवानिवृत्त) संजय आर. भूसरेड्डी ने कहा, ÷हमारी टीम ने वित्तीय वर्ष के लिए तय की गई कार्ययोजना के अनुसार काम किया। हमने व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने के लिए भी कदम उठाए हैं और इसलिए राज्य में अधिक ब्रांड उपलब्ध हैं।विभाग के लिए लखनऊ सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाला रहा है, जबकि नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर और बरेली भी आगे रहे हैं।कुशीनगर, शाहजहाँपुर, सोनभद्र,देवरिया,लखीमपुर खीरी,हरदोई और चित्रकूट जैसे छोटे जिलों ने भी उच्च राजस्व की सूचना दी है। अधिकारियों ने कहा कि इस साल छह डिस्टिलरीज स्थापित की गई हैं और सात और इस वित्तीय वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएंगी।जहां भीषण गर्मी के कारण बीयर की मांग 40 फीसदी बढ़ गई है, वहीं विभाग आने वाले महीनों में रम और व्हिस्की की बिक्री पर भरोसा कर रहा है। सेंथिल सी. पांडियन ने कहा, ÷सरकारी खजाने के लिए राजस्व में वृद्धि सुनिश्चित की गई है। हमने कुछ जिलों की पहचान की है, जहां बिक्री कम रही है और गिरावट के कारण का पता लगा रहे हैं। राजस्व बढ़ने के साथ-साथ शराब कारोबार का रंग-रूप भी काफी बदल गया है। शराब की दुकानें अब ग्राहकों को दूर रखने के लिए तार की जाली वाली गंदी, खराब रोशनी वाली दुकानें नहीं रह गई हैं। शराब अब हाई-एंड शॉपिंग मॉल में आलीशान दुकानों में बेची जा रही है। दुकानों में विभिन्न प्रकार के ब्रांड प्रदर्शित हैं और सजावट भी उतनी ही आकर्षक है।

निफ्टी को उच्च स्तर पर प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजारों ने अक्टूबर के आखिरी दिन की शुरुआत 19,200-19,250 के महत्वपूर्ण क्षेत्र में की। प्रोग्रेसिव शेयर्स के निदेशक आदित्य गग्गर ने मंगलवार को कहा कि सुबह के कारोबार में ही, सूचकांक ने अपने सभी लाभ मिटा दिए और सीमित दायरे में बना रहा। मध्य सत्र में सुधार लंबे समय तक नहीं चला क्योंकि विशेष रूप से बैंकों में बिकवाली के एक और दौर ने सूचकांक को काफी नीचे खींच लिया और 61.30 अंकों की हानि के साथ 19,079.60 पर बंद हुआ। रियल्टी शीर्ष प्रदर्शन करने वाला रहा, उसके बाद मीडिया का स्थान रहा, गग्गर ने कहा कि दूसरी ओर, ऑटो और फार्मा पिछड़े हुए थे। बोनांज़ा पोर्टफोलियो में रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी ने कहा, रियलिटी वह सेक्टर था, जिसने मंगलवार को 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक दो सेक्टर थे, जो क्रमश÷ 0.16 फीसदी और 0.14 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ दिन के अंत में बंद हुए। निफ्टी पर एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाइटन कंपनी, एचडीएफसी लाइफ, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स और सन फार्मा टॉप गेनर रहे, जबकि एमएंडएम, आयशर मोटर्स, एलटीआईमाइंडट्री और ओएनजीसी टॉप लूजर में रहे।एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक कुणाल शाह ने कहा कि निफ्टी इंडेक्स को गैप-अप ओपनिंग के बाद चुनौती का सामना करना पड़ा, उच्च स्तर पर मजबूत प्रतिरोध का सामना करना पड़ा और दिन के उच्च स्तर को पार करने में असफल रहा। वर्तमान में, सूचकांक 18,900 और 19,250 की एक विस्तृत

सीमा के भीतर कारोबार कर रहा है और किसी भी दिशा में ब्रेकआउट से ट्रेंडिंग चालें शुरू होने की संभावना है। व्यापक रुझान नकारात्मक बना हुआ है, और केवल 19,300 से ऊपर का समापन ही तेजी की प्रवृत्ति को फिर से शुरू होने का संकेत देगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार का भारतीय रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ ही 83.26 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये ने मंगलवार को एक पैसे की बढ़त दर्ज की पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक स्तर पर अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने के कारण घरेलू बाजार के सकारात्मक रुख का भारतीय मुद्रा पर असर सीमित रहा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। रुपया आज सुबह 83.26 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में एक पैसे की बढ़त के साथ 83.25 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं गत दिवस रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 फीसदी की तेजी के साथ ही 106.39 पर रहा।

त्योहारी सीजन में एसबीआई दे रहा होम लोन में रियायतें

नई दिल्ली । इस त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स साइट के साथ-साथ कई बैंक भी तरह-तरह के ऑफर लेकर आते हैं। इसी बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने भी कुछ इस तरह के खास ऑफर पेश किए हैं। एसबीआई अपने ग्राहकों को होम लोन पर रियायतें दे रहा है। दरअसल, बैंक होम लोन में 65 बीपीएस तक की कमी कर सकता है। वेबसाइट के अनुसार यह ऑफर 31 दिसंबर 2023 तक मान्य है। इस ऑफर को सिबिल स्कोर से जोड़ दिया गया है। सिबिल स्कोर जितना अधिक होगा ग्राहकों को उतनी ज्यादा रियायती दरों का लाभ मिलेगा। इसके अलावा बैंक ग्राहक को होम लोन टेकओवर या फिर रेडी-टू-मूव ऑप्शन में अतिरिक्त 20 बीपीएस की छूट` देगा। यह छूट केवल उन ग्राहकों के` लिए है जिनका सिबिल स्कोर 700 अंक के पार होता है। एसबीआई द्वारा जारी क्रेडिट कार्ड पर भी ऑफर दिया जा रहा है। बैंक ने क्रेडिट कार्ड पर कई तरह के ऑफर पेश किए हैं। यह ऑफर मोबाइल फोन, लैपटॉप, फैशन, फर्नीचर,ज्वेलरी आदि पर` दिए जा रहे हैं। इसके अलावा ईएमआई पर भी ऑफर दिया जा रहा है। बता दें कि बैंक ने कई ब्रांड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के बाद अब ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करते समय अतिरिक्त डिस्काउंट और कैशबैक का लाभ मिलेगा। इस फेस्टिव ऑफर का लाभ 15 नवंबर तक उठा सकेंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 237, निफ्टी 61 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा एशियाई बाजारों के नीचे आने से भी बाजार पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 237.72 अंक करीब 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ ही 63,874.93 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 16 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 14 शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये हैं। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाले एनएसई निफ्टी में भी गिरावट दर्ज की गयी और ये 61.30 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी नीचे आकर 19,079.60 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में से टाइटन के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.47 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा 16 अन्य शेयर भी लाभ में रहे जिसमें कोटक बैंक, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और टाटा मोटर्स के शेयर शामिल हैं।

वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.59 फीसदी गिरावट रही। इसके अलावा सन फार्मा, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक सहित 14 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही गिरे हैं।

अक्टूबर में रही सबसे ज्यादा गिरावट

इसी माह सेंसेक्स में 1953 अंकों की गिरावट आई। इस साल किसी भी महीने में इतनी अधिक गिरावट नहीं रह। अक्टूबर माह के दौरान अब तक करीब 3 फीसदी की गिरावट हुई है। वहीं सितंबर के आखिरी कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 65,828 अंक पर बंद हुआ था जबकि 31 अक्टूबर को यह 63,874.93 अंक पर बंद हुआ। इस प्रकार देखा जाये तो सेंसेक्स में अक्टूबर के दौरान 1953 अंकों की गिरावट आई है।

इजराइल-हमास संघर्ष के कारण भी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया है।

अमेरिकी अमेरिका फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों के बढ़ने के कारण भी विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली पर जोर दे रहे हैं। इसके अलवा तेल की कीमतों के बढ़ने से भी बिकवाली हावी हुई है।

विदेशी निवेशकों ने 22,850 करोड़ रुपये निकाले

फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें भी उच्च स्तर पर है, जिससे वो निवेशकों के लिए निवेश की आकर्षक जगह बन गए हैं। इसी कारण विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से इसी माह में अब तक सबसे अधिक 22,850 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 339.67 अंक चढ़कर 64,452.32 पर और निफ्टी 92.8 अंक बढ़कर 19,233.70 पर कारोबार कर रहा था। हालांकि बाद में उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में दोनों सूचकांक सपाट स्तर पर रहे। सेंसेक्स 44.50 अंक गिरकर 64,068.15 पर और निफ्टी 7.85 अंक फिसलकर 19,133.05 पर कारोबार कर रहा था

कोर सेक्टर उद्योगों ने सितंबर में 8.1फीसदी की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली।

सीमेंट, कोयला, स्टील और बिजली सहित आठ प्रमुख उद्योगों का संयुक्त सूचकांक सितंबर 2022 की तुलना में सितंबर 2023 में 8.1 फीसदी बढ़ गया। मंगलवार को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। सितंबर में मुख्य क्षेत्र की वृद्धि में गिरावट मुख्य रूप से सीमेंट उद्योग के कारण हुई, जिसने अगस्त में 19.3 प्रतिशत की भारी वृद्धि के बाद मात्र 4.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की - जो छह महीने में सबसे कम है। कच्चे तेल के उत्पादन में साल-दर-साल 0.4 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल-सितंबर के लिए, कोर सेक्टर आउटपुट में वृद्धि 7.8 प्रतिशत है, जबकि 2022-23 की पहली छमाही में यह 9.8 प्रतिशत थी। आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, बारिश में बढ़ोतरी ने सितंबर में मुख्य क्षेत्र के विस्तार को अपेक्षित रूप से धीमा कर दिया। सूचकांक आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन के संयुक्त और व्यक्तिगत प्रदर्शन को मापता है, जिसमें उर्वरक, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पाद भी शामिल हैं। आठ कोर उद्योगों में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं का 40.27 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। बिजली उत्पादन (भारांक : 19.85 प्रतिशत) सितंबर 2023 में सितंबर 2022 की तुलना में 9.3 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितंबर के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत बढ़ गया। सितंबर 2023 में इस्पात उत्पादन (भारांक÷ 17.92 प्रतिशत) पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 9.6 प्रतिशत बढ़ गया। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल से सितंबर के दौरान इसका संचयी सूचकांक 14.2 प्रतिशत बढ़ गया। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में सितंबर में सीमेंट उत्पादन (भारांक÷ 5.37 प्रतिशत) 4.7 प्रतिशत बढ़ गया। सितंबर में कोयला उत्पादन (भारांकः 10.33 प्रतिशत) 16.1 प्रतिशत बढ़ गया जबकि अप्रैल से सितंबर के दौरान इसका संचयी सूचकांक 12.2 प्रतिशत बढ़ गया।

कोलकाता में प्याज की कीमतें एक हफ्ते में हुई दोगुनी

कोलकाता। कोलकाता में प्याज की कीमतें पिछले एक हफ्ते में दोगुनी हो गई हैं और खुदरा बाजारों में प्याज 75-80 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है।एक हफ्ते पहले ही दरें 35 से 40 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच थीं। कीमतों में हालिया उछाल ने खुदरा बाजार में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए गठित राज्य सरकार की टास्क फोर्स के सदस्यों को भी हैरान कर दिया है। टास्क फोर्स के एक सदस्य ने कहा, त्योहारी सीजन के कारण पिछले दो हफ्तों में कम आपूर्ति और उत्पाद की मांग में अचानक वृद्धि का दोहरा कारक खुदरा बाजारों में कीमत के अचानक दोगुना होने का कारण हो सकता है। टास्क फोर्स के सदस्यों को आशंका है कि चालू माह के दौरान प्याज की कीमत में नरमी की ज्यादा संभावना नहीं है, लेकिन आगामी काली पूजा, दिवाली और भाई फोटा (भाई दूज) त्योहारों के कारण उत्पाद की कीमत में और बढ़ोतरी की आशंका है। इस बीच, राज्य सरकार के सूत्रों ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से उत्पाद का अपना स्टॉक जारी कर खुदरा बाजारों में प्याज की कीमतों को नियंत्रण में रखने का प्रयास किया जा सकता है। टास्क फोर्स के सदस्यों और राज्य पुलिस की प्रवर्तन शाखा (ईबी) के अधिकारियों को प्याज के साथ-साथ अन्य सब्जियों की कीमतों को कृत्रिम रूप से बढ़ाने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए खुदरा बाजारों पर कड़ी नजर रखने के लिए कहा गया है।

टीवीएस ने लॉन्च किया रानिन बाइक का स्पेशल एडिशन

-कंपनी ने त्यौहारी सीजन में किया यह धमाका

नई दिल्ली ।

त्यौहारों के सीजन में जानीमानी कंपनी टीवीएस ने रानिन बाइक का स्पेशल एडिशन लॉन्च किया है। टीवीएस रानिन स्पेशल एडिशन को 1.73 लाख रुपये की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है।टीवीएस रानिन स्पेशल एडिशन में निंबस ग्रे शेड मिलता है।इसके अलावा इसमें स्टैंडर्ड वर्जन से अलग बॉडी ग्राफिक्स भी दिया गया है।

दरअसल, स्पेशल एडिशन में कंपनी ने तीन रंगों का इस्तेमाल किया है।यह बाइक ग्रे रंग में है, जबकि इसके फ्यूल टैंक और साइड पैनल में रेड और व्हाइट स्ट्रिप दिया गया है।रानिन के स्टैंडर्ड वर्जन की तरह स्पेशल एडिशन में भी गोल्डन अपसाइड डाउन टेलीस्कोपिक फोर्क सस्पेंशन दिया गया है।स्पेशल एडिशन टीवीएस रानिन में कंपनी कुछ प्री-इंस्टॉल्ड एक्सेसरीज भी दे रही है जिसमें यूएसबी फोन चार्जर, वाइजर इंजन कवर शामिल है।कंपनी ने मोटरसाइकिल के डिजाइन और फीचर्स में कोई बदलाव नहीं किया है।टीवीएस रानिन की बात करें तो इसमें 225.9ष्ष का सिंगल सिलेंडर, ऑयल कूल्ड इंजन मिलता है जो 7750 आरपीएम पर 20.1 बीएचपी पॉवर और 3750 आरपीएम पर 19.93 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में स्लीपर और असिस्ट क्लच के साथ 5 स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है।यह बाइक डुअल डिस्क ब्रेक और डुअल चैनल एबीएस से लैस है।अगर डिजाइन की बात करें तो, टीवीएस ने रानिन को मॉडर्न रेट्रो लुक देने की कोशिश की है।इस बाइक में

फुल एलईडी राउंड हेडलैंप, एलईडी टर्न इंडिकेटर और एलईडी टेल लाइट लगाया गया है।बाइक में दो राइडिंग मोड अर्बन और रेन दिए गए हैं।इसमें 17-इंच के अलॉय व्हील्स के साथ ट्यूबलेस टायर मिलते हैं।टीवीएस रानिन के टॉप ट्विन डिस्क मॉडल की तुलना में न्यू एडिशन 4,000 रुपये महंगा है।

इस साल अप्रैल से सितंबर तक भारत का राजकोषीय घाटा 7.02 लाख करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली।

चालू वित्तवर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) में भारत का राजकोषीय घाटा 7.02 लाख करोड़ रुपये था, जो पूरे साल के अनुमान का 39.3 फीसदी है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।राजकोषीय घाटा उस राशि को दर्शाता है, जिससे सरकार का खर्च आय से ज्यादा हो जाता है और इस अंतर को उधार के जरिए पूरा किया जाता है। अप्रैल-सितंबर के दौरान सरकार द्वारा जुटाया गया शुद्ध कर राजस्व 11.6 लाख करोड़ रुपये या वार्षिक अनुमान का 49.8 प्रतिशत था, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 10.12 लाख करोड़ रुपये था। आंकड़ों से पता चलता है कि कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह साल दर साल 20 फीसदी बढ़कर 4.51 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि के दौरान कुल व्यय 21.19 लाख करोड़ रुपये था जो वार्षिक लक्ष्य का 47.1 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 18.24 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से अधिक था। वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में सरकारी पूंजीगत व्यय, जिसमें राजमार्ग, बंदरगाह और रेलवे जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण पर खर्च 4.91 लाख

करोड़ रुपये या वार्षिक लक्ष्य का 49 प्रतिशत शामिल है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में आए 3.43 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। वित्त मंत्रालय का लक्ष्य चालू वित्तवर्ष के अंत तक देश के राजकोषीय घाटे को पिछले वर्ष के 6.4 प्रतिशत के आंकड़े से घटाकर सकल घरेलू उत्पाद के 5.9 प्रतिशत पर लाना है। अत्यधिक राजकोषीय घाटा मुद्रास्फीति को बढ़ाता है और अर्थव्यवस्था के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर करता है, इसलिए सरकार इसे नियंत्रण में रखने के लिए उत्सुक है। इससे कॉरपोरेट्स के लिए उधार लेने के लिए बैंकिंग प्रणाली में कम पैसा बचता है जिससे निवेश पर असर पड़ता है और विकास धीमा हो जाता है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगले साल की शुरुआत में लोकसभा चुनावों के बाद प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, मतदाताओं से किए जाने वाले वादों के मद्देनजर खर्च को नियंत्रण में रखना आसान काम नहीं होगा।

दूसरी तिमाही में 70 फीसदी की वृद्धि के साथ गेल को 2,405 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली।

सरकारी स्वामित्व वाली नैचुरल गैस की दिग्गज कंपनी गेल (हस्व्र्रढ्ढरु) (इंडिया) ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2,405 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की, जो पिछली तिमाही में 1,889 करोड़ रुपये थी।परिचालन से कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 31,823 करोड़ रुपये बताया गया, जबकि पहली तिमाही में यह 32,227 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन की मात्रा 120.31 एमएमएससीएमडी रही, जबकि वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में यह 116.33 एमएमएससीएमडी थी। गैस मार्केटिंग वॉल्यूम 96.96 एमएमएससीएमडी रहा, जो पिछली तिमाही में 98.84 एमएमएससीएमडी था। पिछली तिमाही की तुलना में एलएचसी की बिक्री 247 टीएमटी की तुलना में 242 टीएमटी और पॉलिमर की बिक्री 162 टीएमटी की तुलना में 168 टीएमटी रही। तिमाही आधार पर परिचालन से कुल राजस्व 33,049 करोड़ रुपये रहा, जबकि पहली तिमाही में 32,849 करोड़ रुपये था। पीबीटी 37 प्रतिशत की वृद्धि से 3,138 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछली तिमाही में यह 2,283 करोड़ रुपये था। गेल के चेयरमैन संदीप कुमार गुप्ता ने कहा, तिमाही के दौरान कंपनी ने खासकर गैस ट्रांसमिशन सेगमेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और आगे भी बेहतर प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पॉलिमर और एलपीजी में कम प्राप्ति के कारण तिमाही के दौरान प्रदर्शन थोड़ा बाधित हुआ, जिसके आगे चलकर बेहतर रहने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी ने चालू छमाही के दौरान लगभग 4,853 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है, मुख्य रूप से पाइपलाइन, पेट्रोकेमिकल्स और ज्वाइंट वेंचर पर।

ओपनएआई के चैटजीपीटी डाउनलोड, ऐप राजस्व में वृद्धि जारी : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। चैटजीपीटी के डाउनलोड और राजस्व में वृद्धि जारी है और ओपनएआई का एआई चैटबॉट 23 मिलियन डाउनलोड (सितंबर तक) तक पहुंच गया है। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, एपटोपिया द्वारा एआई ऐप बाजार के विश्लेषण के अनुसार, मई में ऐप्पल ऐप स्टोर पर अपने पहले महीने में, इसने 3.9 मिलियन डाउनलोड को पार कर लिया और जून तक 15.1 मिलियन तक पहुंच गया। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि मोबाइल डिवाइस पर चैटजीपीटी का इस्तेमाल मई में 1.34 मिलियन से ज्यादा मंथली एक्टिव यूजर्स से बढ़कर सितंबर तक 38.88 मिलियन हो गया है। चैटजीपीटी का मोबाइल ऐप उपभोक्ता खर्च के मामले में एआई चैटबॉट मार्केट से काफी आगे निकल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, इसके लॉन्च के महीने के दौरान यह 352,929 डॉलर से बढ़कर सितंबर तक 1.98 मिलियन डॉलर और 24 अक्टूबर तक लगभग 2.39 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।इसके सीईओ सैम ऑल्टमैन के अनुसार, चैटजीपीटी डेवलपर ओपनएआई कथित तौर पर इस साल 1.3 बिलियन डॉलर का राजस्व कमाने जा रहा है।सूत्रों का हवाला देते हुए द इंफॉर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट समर्थित एआई कंपनी जाहिर तौर पर प्रति माह 100 मिलियन डॉलर से अधिक का उत्पादन कर रही है, जो इस साल की शुरुआत से 30 प्रतिशत अधिक है।रिपोर्ट में कहा गया है, ओपनएआई हर साल 1.3 बिलियन डॉलर की गति से राजस्व उत्पन्न कर रहा है, सीईओ सैम ऑल्टमैन ने इस सप्ताह कर्मचारियों को बताया।2022 के लिए कंपनी का राजस्व सिर्फ 28 मिलियन डॉलर था।रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी द्वारा फरवरी में चैटजीपीटी का पेड वर्जन लॉन्च करने के बाद से राजस्व की गति, मुख्य रूप से इसके कन्वर्सेशनल चैटबॉट की सदस्यता से, उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कथित तौर पर ओपनएआई मौजूदा शेयरों की बिक्री के माध्यम से 80-90 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर फंड जुटा रहा है।

विराट जिम फ्रीक तो केएल राहुल का शांत व्यक्तित्व, मयंक अग्रवाल ने साझा की पुरानी यादें

नई दिल्ली। मयंक अग्रवाल ने मैदान के अंदर और बाहर भारतीय टीम के साथ अपने कुछ क्रिकेट अनुभव साझा किए। उन्होंने विराट कोहली को जिम फ्रीक और केएल राहुल को सबसे शांत व्यक्तित्व वाला खिलाड़ी बताया। आकाश चोपड़ा द्वारा होस्ट किए गए जियो सिनेमा के शो के रैपिड-फायर सेगमेंट में मयंक अग्रवाल ने पिच से परे टीम के व्यक्तित्वों, मज़ेदार आदतों और टीम के साथ अपने अनुभव के बारे में बात की। टीम में जिम फ्रीक के बारे में पूछे जाने पर मयंक ने खुद का नाम लिया, लेकिन विराट कोहली से ज्यादा नहीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं जिम फ्रीक हूं। शायद विराट कोहली से ज्यादा तो नहीं लेकिन मुझे निश्चित रूप से लगता है कि मैं उनमें से एक हूं। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज उमरान मलिक को सबसे सोशल मीडिया एडिक्ट खिलाड़ी और विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को टीम में सबसे शांत और संयमित व्यक्तित्व के रूप में टैग किया। मयंक भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के विश्लेषण और क्रिकेट ज्ञान के बहुत शौकीन दिखे और उन्हें निश्चित रूप से भविष्य के कमेंटेटर के रूप में देखा। टीम में सबसे मजेदार खिलाड़ी के बारे में पूछे जाने पर मयंक ने ईशान किशन का नाम लिया। मैंने उसके साथ बहुत ज़्यादा नहीं खेला है लेकिन वह काफी मज़ाकिया है।

विश्वकप : न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में रोमांच मुकाबले की उम्मीद

पुणे।

एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन शानदार रहा है और ऐसे में इस मुकाबले के रोमांचक होने की संभावनाएं हैं। अंक तालिका में दूसरे और तीसरे स्थान की यह दोनों टीमें ही टीमें सेमीफाइनल की दावेदार हैं। दक्षिण अफ्रीका ने अब तक 6 में से 5 मैच जीते हैं जबकि न्यूजीलैंड ने 6 में से 4 मुकाबले जीते हैं।

दक्षिण अफ्रीका की टीम यदि यह मुकाबला जीतने में सफल रही, तो उसकी सेमीफाइनल में जगह पक्की हो जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के अभी 6 मैच में 10 जबकि न्यूजीलैंड के 6 मैच में 8 अंक हैं। कीवी टीम को अंतिम दोनों मैच में हार मिली है। ऐसे में एक और हार उसके लिए सेमीफाइनल की राह कठिन बना देगी। न्यूजीलैंड टीम को पिछले दो मैचों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार जीत दर्ज करनी होगी। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले तीन मैचों में लगातार जीती है। यहां की पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम यदि यह मैच हार जाती है, तो अफगानिस्तान से लेकर पाकिस्तान तक के लिए सेमीफाइनल की संभावनाएं बन सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम की बल्लेबाजी जबरदस्त है। उसके पास ओपनर बैटर क्विंटन डिकॉक जैसा शानदार बल्लेबाज है। डिकॉक बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। वह इस बार विश्व कप 2023 में सबसे अधिक रन बनान वाले बल्लेबाज भी हैं। डिकॉक ने 6 पारियों में 72 की औसत से 431 रन बनाए हैं। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की ओर रचिन रवींद्र 2 शतक और 2 अर्धशतक के दम पर 406 रन बना चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्क्रम व हेनरिक क्लासेन, वहीं न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल व डेवॉन कॉनवे भी इस मैच में अहम भूमिका निभाएंगे। कीवी टीम के स्पिनर मिचेल सेंटनर बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। वे अब तक 14 विकेट ले चुके हैं जिसका लाभ टीम को मिलेगा। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को येनसेन ने 13 विकेट लिए हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जे ने भी 12 विकेट ले चुके हैं। न्यूजीलैंड टीम भी पीछे नहीं हैं उसके पास मैट हेनरी जैसा तेज गेंदबाज है। हेनरी ने अब तक 11 विकेट लिए हैं।

इस पिच पर विश्व कप 2023 में इस बार लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम जीती है। इसके अलावा आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले 9 मैचों में 6 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ही जीती है। यह पिच बल्लेबाजी के लिए भी अच्छी मानी जाती है। इन दोनो ही टीमों के बीच पिछली बार भी विश्वकप में मुकाबला हुआ था तब कीवी टीम जीती थी। इन दोनों टीमों के बीच अब तक 71 एकदिवसीय खेले गए हैं, जिसमें से न्यूजीलैंड ने 25 जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 41 जीते हैं पर एकदिवसीय विश्वकप में कीवी टीम हावी रही है। अब तक दोनों टीमों के बीच 8 मैच हुए हैं जिसमें से न्यूजीलैंड ने 6 जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 2 मुकाबले जीते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता इंजमाम ने इस्तीफा दिया

लाहौर।

विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज पाकिस्तान क्रिकेट पर गिरनी शुरु हो गयी है। इसी के तहत राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष इंजमाम उल हक ने इस्तीफा दे दिया है। इंजमाम ने पीसीबी प्रमुख जका अशरफ को अपना इस्तीफा सौंपा। विश्वकप में इस बार पाक टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और उसे केवल दो मैचों में ही जीत मिली है। पाक टीम को भारत के खिलाफ भी करारी हार मिली थी। यहां तक कि अफगानिस्तान ने भी उसे हरा दिया। टीम की हार के बाद से ही इंजमाम निशाने पर थे। उन पर टीम चयन में करीबियों को जगह देने के भी आरोप लगे थे।

पाक टीम दो जीत और चार हार के साथ ही चार अंक लेकर अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम चयन प्रक्रिया को लेकर सामने आये हितों के टकराव के आरोपों की जांच के लिए एक पांच सदस्यीय तथ्य-खोज समिति भी गठित की है। ये समिति अपनी रिपोर्ट और सिफारिश पीसीबी प्रबंधन को सौंपेगी।

विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के साथ ही कप्तान बाबर आजम के खराब फार्म पर भी सवाल उठे हैं। इसके अलावा उन्हें कप्तानी से हटाने की भी मांग की गयी है।

फीफा विश्व कप 2034 की मेजबानी से पीछे हटा ऑस्ट्रेलिया

सिडनी। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को 2034 फीफा पुरुष फुटबॉल विश्व कप की बोली से इनकार कर दिया, जिससे सऊदी अरब के लिए संभावित रूप से टूर्नामेंट की मेजबानी का रास्ता साफ हो गया। 2023 में रिकॉर्ड तोड़ने वाले फीफा महिला विश्व कप की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के बाद ऑस्ट्रेलिया की 2034 पुरुष विश्व कप की मेजबानी की संभावना कम लग रही थी जब एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने सऊदी बोली का समर्थन किया। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, ÷हमने फीफा विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली लगाने के लिए काफी सोचा और सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, हम 2034 प्रतियोगिता के लिए ऐसा नहीं करने के निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। फीफा ने इस महीने की शुरुआत में परिसंघ रोटेशन और विश्व कप के लिए सर्वोत्तम संभावित मेजबानी की स्थिति हासिल करने के लिए एशिया और ओशिनिया क्षेत्रों से बोलियां आमंत्रित की हैं।

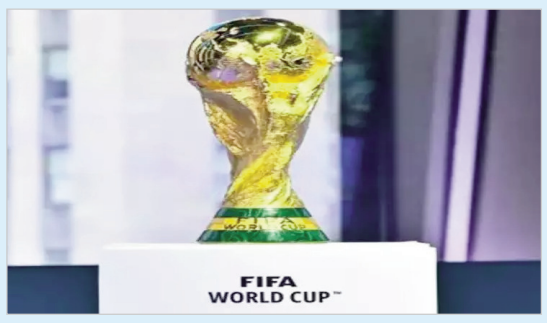

विश्वकप के नॉकआउट मुकाबले में भारत की राह आसान नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इस बार शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब सभी की नजरें सेमीफाइनल मुकाबले पर रहेंगी। लगातार जीत के साथ ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है पर इसके बाद भी उसकी राह उतनी आसान नहीं है जितनी लगती है। इसका कारण से ही भारतीय टीम ने अब तक शुरुआती पांच मुकाबलों में लक्ष्य का पीछा करते जीत हासिल की थी और इसमें शीर्ष क्रम का प्रदर्शन अच्छा रहा था और उसे अधिक रन नहीं बनाने थे। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी और 229 रनों पर ही सिमट गयी। इस दौरान उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों में से केवल रोहित शर्मा और लोकेश राहुल ही टिके रह पाये।

ऐसे में आने वाले मुकाबलों में अगर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करनी पड़ती है तो उसके लिए परेशानी बढ़ जाएगी। ऐसे में बड़ा स्कोर बनाना उसके लिए कठिन हो जाएगा। .

भारत ने अब तक जो मुकाबले जीते हैं उसमें गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाते हुए विरोधी टीम को कम स्कोर परा ही समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया को गेंदबाजों ने केवल 199 रन पर रोक दिया था

जबकि पाकिस्तान की टी 191 रन ही बना पायी थी जबकि बांग्लादेश की टीम 256 रन का स्कोर बना पाई थी। अफगानिस्तान की टीम ने 272 रन बनाए थे और न्यूजीलैंड की टीम 273 रन तक पहुंच पाई थी। इस प्रकार देखा जाये तो इस विश्वकप में अब तक एक बार भी भारतीय टीम ने 300 रन नहीं बनाये हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान टीम के बल्लेबाज इमाम की मुश्किलें बढ़ीं

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक अब तक इस विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अब टीम में उनकी जगह खतरे में पड़ती जा रही है। इमाम की जगह पारी की शुरुआत के लिए अनुभवी बल्लेबाज फखर जमां को शामिल किया जा सकता है। इमाम पूर्व क्रिकेटर इंजमाम उल हक के भतीजे हैं। इंजमाम ने मुख्य चयनकर्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में अब इमाम की जगह भी खतरे में पड़ गयी है क्योंकि ये आरोप लगे थे कि चाचा ने उन्हें टीम में जगह दिलायी थी। वहीं उप-कप्तान शादाब खान की भी छुट्टी होना तय है। शादाब इस दौरे में प्रभावित नहीं कर पाये हैं। इमाम विश्वकप की 6 पारियों में 27 की औसत से 162 रन ही बना पाये हैं। जिसमें केवल एक अर्धशतक है। वहीं 70 रन उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। दूसरी ओर 23 साल के युवा सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक ने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने अब तक 5 पारियों में 53 की औसत से 264 रन बनाये हैं जिसमें एक शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। उप-कप्तान शादाब खान को पहले भी एक मैच से बाहर किया गया था। शादाब अब तक अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं और अब तक 5 मैच में 90 की औसत से केवल 2 विकेट ही ले पाये हैं. उनका इकोनॉमी रेट भी 6 से अधिक की है। उन्होंने 29 की औसत से 117 रन जरूर बनाए हैं। एशिया कप 2023 से ही शादाब का खराब प्रदर्शन जारी है।

भारत के अलावा इन तीन टीमों का सेमीफाइनल में पहुंचना तय

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने विश्वकप में अपने अभी तक के सभी 6 मैच जीते हैं जिससे वह अंक तालिका में 12 अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं भारत के अलावा एक अन्य टीम दक्षिण अफ्रीका ने भी 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और ऐसे में उसका भी सेमीफाइनल में पहुंचना तय है। इसके अलावा न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लिए भी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभवना है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दानो के 6-6 मैचों में 8-8 अंक हैं। ऐसे में अगर ये दोनों टीम बाकी बचे 3 मैच जीत लेती हैं तो उनका सेमीफाइनल में पहुंचना तय हो जाएगा। अगर ऐसा होता है तो बाकी 4 टीमों पाकिस्तान, श्रीलंका, नीदरलैंड, अफगानिस्तान सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो जाएंगी। इंग्लैंड और बांग्लादेश की टीमें अंक तालिका में 9वें और 10वें स्थान पर है। दोनों के 6 मैच में एक बराबर 2 अंक हैं। दोनों ही अपने पांच मैच हार गयी हैं। ऐसे में अगर ये दोनों ही टीमें अपने सभी मुकाबले जीत भी लेती हैं तो भी अधिकतम 8 अंक तक ही पहुंचेगी। ऐसे में इनका सेमीफाइनल में पहुंचना कठिन होगा।

खेल महाकुंभ खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने का देता है मंच : रेखा आर्या

हल्द्वानी।

हल्द्वानी में स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ-2023 का कुंवरपुर न्याय पंचायत से राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) गुरमीत सिंह और नैनीताल जनपद प्रभारी व खेल मंत्री रेखा आर्या ने मंगलवार को विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद खिलाड़ियों द्वारा शानदार मार्च पास्ट किया गया। इस दौरान विभिन्न स्कूली छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। साथ ही इस दौरान न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ-2023 में खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन किया, जिन्हें राज्यपाल गुरमीत सिंह और खेल मंत्री ने सम्मानित किया और सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनायें दी। अपने संबोधन में खेल मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में शिक्षा के साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को जोड़ने का प्रयत्न किया है, खेलने से जहां हम तनाव मुक्त होते हैं तो वहीं हम अपने जीवन मे अनुशासन भी सीखते हैं। आज के दौर में खिलाड़ियों के लिए खेल का दायरा महज मनोरंजन और फिटनेस तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब इसमें खिलाड़ियों को सुनहरा करियर नजर आ रहा हैं, जिसके लिए हम प्रयत्नशील हैं और लगातार कई योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है। इस दौरान खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि जिस प्रकार से महाकुंभ में स्नान कर तन-मन की स्वच्छता होती है, उसी प्रकार खेल महाकुंभ से भी स्वस्थ प्रतिभाएं उभर कर सामने आती हैं। खेल महाकुंभ के आयोजन की यही परिकल्पना है कि न्याय पंचायत स्तर से प्रतिभाओं को अवसर देते हुए विकासखंड, जिला स्तर तथा राज्य स्तर तक मंच प्रदान करना है।उन्होंने कहा कि खेल विभाग की

कोशिश है कि बच्चों को अवसर प्राप्त होते रहे। विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों को उनकी प्रतिभा अनुसार खेलो में प्रतिभाग करने के लिए मंच देने का कार्य किया जा रहा है, खेल महाकुंभ उसी का परिचायक है।

आने वाला समय खेल के दृष्टिकोण से उत्तराखंड का हो तथा यही बच्चे राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश तथा प्रदेश का नाम ऊंचा करें इसी दिशा में खेल विभाग द्वारा गंभीरता से प्रयास किया जा रहा है।

पेरिस 2024 क्वालीफायर को लेकर कैमरून के कोच आशावादी

याउंडे। मुख्य कोच जीन बैप्टिस्ट बिसेक ने कहा कि कैमरून पर कोई दबाव नहीं है और वह मंगलवार को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के महिला फुटबॉल क्वालीफायर में युगांडा के खिलाफ क्वालीफाई करने की उम्मीद कर रहे हैं। पिछले हफ्ते क्वालीफायर के दूसरे दौर के पहले चरण में युगांडा ने कैमरून को 2-0 से हराया।शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कैमरून मंगलवार को रीयूनिफिकेशन स्टेडियम में वापसी चरण में युगांडा क्रेस्टेड क्रेन्स की मेजबानी करेगा।बिसेक ने सोमवार शाम प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरे पास कोई परियोजना नहीं है। हमें दबाव के बिना, दृढ़ संकल्प के साथ खेलना होगा। कैमरून के डिफेंडर इलियाने माम्बोलाम्बो ने कहा, समूह की मानसिक स्थिति को जानते हुए, मैं कहूंगा कि जीत का प्रतिशत 200 है। युगांडा के अंतरिम मुख्य कोच चार्ल्स अयीकोह लुकुला ने कहा, हमें स्कोर करना चाहिए और जब हम स्कोर कर लेते हैं तो हम बचाव करते हैं। अफ्रीका की दो टीमें पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के महिला फुटबॉल टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए 10 अन्य टीमों के साथ शामिल होंगी, जो अगले साल 24 जुलाई से 10 अगस्त तक चलेगी।

बुमराह-शमी से तकनीक पर बात करने की जरूरत नहीं पड़ती : म्हाम्ब्रे

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह इतने अच्छे स्तर के गेंदबाज हैं कि उनसे मुझे तकनीक को लेकर बात करने की जरूरत ही नहीं पड़ती। इस कारण हमारे बीच केवल मैच की रणनीति को लेकर ही बाज होती है। शमी और बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप मुकाबले में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दोनो ही ही छोटे लक्ष्य का शानदार तरीके से बचाव किया था। बुमराह और शमी दोनों गेंदबाजों ने इस मुकाबले में पिच का पूरा लाभ उठाते हुए विरोधी बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। म्हाम्ब्रे का कहना है कि दोनों ही अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं जिससे उन्हें तकनीकी पहलू पर कुछ भी बताने की जरूरत नहीं रहती। टीम संयोजन के कारण शमी पहले चार मैच में नहीं खेल सके पर न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें अब अगले मैचों में अंतिम एकादश से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'जब टीम में आपके पास इतना कौशल रखने वाले खिलाड़ी हैं तो आपको वास्तव में इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत नहीं पड़ती। ये खिलाड़ी इतना क्रिकेट खेल चुके हैं जिससे वे पूरी तरह समझते हैं कि टीम को कम उनसे क्या चाहिये। उन्होंने कहा, 'काश मैं यह कह पाता कि हमने इसके लिए टीम में चर्चा की थी और इसकी योजना बनाई थी। हमारी टीम में इतने बेहतरीन और अनुभवी गेंदबाज हैं कि मेरा काम आसान हो जाता है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'इस स्तर पर यह खिलाड़ी प्रबंधन की बात है। वे काफी क्रिकेट खेल चुके हैं, वे सब चीज समझते हैं। मुझे तकनीक के बारे में ज्यादा बताने की जरूरत नहीं पड़ती, बस रणनीति के बारे में ही बात होती है। इसमें भी कार्यान्वयन अहम होता है और इसके लिए श्रेय उन्हें जाता है।

मैंने इतने शतक बनाने के बारे में कभी नहीं सोचा था : विराट

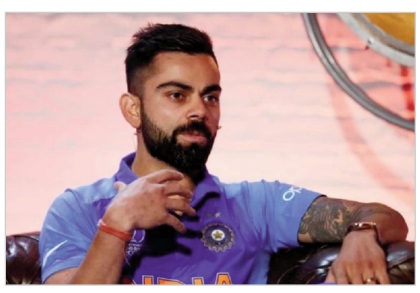

नई दिल्ली।

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों के वनडे रिकॉर्ड की बराबरी करने की कगार पर हैं। उन्होंने कहा है कि इन 12 वर्षों में इतने शतक बनाने के बारे में कभी नहीं सोचा था।मौजूदा वनडे विश्व कप में कोहली का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने छह मैचों में 354 रन बनाए हैं। जिसमें पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ एक शतक (48वां शतक) भी शामिल है। हालांकि, रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ मैच में वनडे विश्व कप के इतिहास में पहली बार शून्य पर आउट होने के बाद कोहली ने अपने वनडे विश्व कप करियर में यह अनचाहा रिकॉर्ड जोड़ दिया है। स्टार स्पोर्ट्स से खास बातचीत में कोहली ने अपने विचार रखे कि उनका करियर कैसा रहा।कोहली ने कहा, अगर हम क्रिकेट के बारे में बात करें तो मैंने कभी भी सब कुछ हासिल करने के बारे में नहीं सोचा था। इस समय जहां मेरा करियर है ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। यह ऊपर वाले की देन है जिसने मुझे इतनी लंबी अवधि के करियर से नवाजा। मैंने केवल सपना देखा था कि मैं ऐसा करूंगा, लेकिन कभी सोचा नहीं था कि चीजें इस तरह से होंगी, कोई भी इन चीजों की योजना नहीं बना सकता। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन 12 वर्षों में इतने सारे शतक और इतने रन बना पाऊंगा।कोहली क्रिकेट करियर में सबसे तेज 26,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने 567 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की।अपने पूरे करियर के दौरान विराट का पूरा फोकस अपने गेम को बेहतर करने पर था। कोहली ने कहा, मेरा एकमात्र फोकस यह था कि मैं टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कैसे करूं और कठिन परिस्थितियों में टीम की जीत सुनिश्चित करूं। इसके लिए मैंने अनुशासन और जीवनशैली में काफी बदलाव किए। अब मेरा पूरा ध्यान इस बात पर है कि मुझे गेम कैसे खेलना है और उसके बाद मैंने जो नतीजे हासिल किए हैं, वे उसी तरह से खेलने से मिले हैं। कोहली ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, मैंने मैदान पर अपना सौ फीसदी देकर क्रिकेट खेला है और इससे मुझे जो आशीर्वाद मिला है वह भगवान ने मुझे दिया है और मैंने कभी नहीं सोचा था कि चीजें इस तरह से सामने आएंगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया में होगा विश्वकप फाइनल : लायन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन ने कहा है कि इस बार एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट का फाइनल मुकाबला उनकी और भारतीय टीम के बीच होगा। लायन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच 19 नवंबर को अहमदाबाद स्टेडियम में विश्वकप का खिताबी मुकाबला होगा। भारत ने अब तक के अपनी सभी मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने भी खराब शुरुआत के बाद अच्छी वापसी करते हुए न्यूजीलैंड को हराकर विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। लायन ने कहा, मैं मानता हूं कि ऑस्ट्रेलिया और भारत में फाइनल होगा। लायन ने कहा, भारत मेरे लिए नंबर एक पसंदीदा है इसलिए मुकाबला रोमांच होगा। साथ ही कहा कि मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप के साथ दक्षिण अफ्रीका की टीम भी एक प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। लियोन ने आगे कहा कि भारत पर भी दबाव है क्योंकि घरलू मैदान पर टूर्नामेंट होने के कारण पूरे देश को उनसे ट्रॉफी जीतने की उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, भारत पर पूरे देश का दबाव है जो उनसे जीत की उम्मीद कर रहे हैं और उनके प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ऊपर अधिक दबाव नहीं रहेगा पर उन्हें दर्शकों का समर्थन नहीं मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोमांच से भरपूर करियर

एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रति लोगों में बढ़ते क्रेज की वजह से एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर इन दिनों डिमांड में हैं। अगर आप भी मौज-मस्ती भरे इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो जानिए कैसे मिल सकती है एंट्री...

सौरभ का सपना पेंटर बनने का था, जबकि पेरेंट्स चाहते थे कि वह इंजीनियर बने, इसलिए उन्होंने बीटेक किया। लेकिन आज के दौर में सिर्फ डिग्री हासिल कर लेना ही काफी नहीं है। नौकरी तभी मिलेगी, जब आप इंडस्ट्री के पैमाने पर खरा उतरेंगे। कई जगह इंटरव्यू देने के बावजूद सौरभ को जॉब नहीं मिल सकी है। दूसरी ओर उनके दोस्त सुमित ने फोटोग्राफी के अपने पैशन को फॉलो किया और आज उसमें काफी अच्छा कर रहे हैं। अब अगर आप भी ट्रेडिशनल फील्ड्स की जगह, अपने च्वाइस के हिसाब से करियर बनाना चाहते हैं, तो आगे बढ़ें। आज उन युवाओं की संख्या बढ़ रही है, जो रिस्क लेकर चैलेंजिंग और लीक से हटकर करियर विकल्प चुन रहे हैं। मसलन, एडवेंचर स्पोर्ट्स। यहां मौज-मस्ती के साथ भरपूर चैलेंज भी है। एडवेंचर टूरिज्म में बूम आने से एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स की डिमांड बढ़ गई है। नेशनल ज्योग्राफी, डिस्कवरी, एनिमल प्लेनेट जैसे चैनल्स के अलावा, ट्रैवल पोर्टल्स लोगों को एडवेंचर्स हॉलीडे प्लान करने का मौका दे रहे हैं। इस तरह टूरिस्ट्स बढ़ने का मतलब है, जॉब की संख्या बढ़ना। अगर आपको नेचर को एक्सप्लोर करना पसंद है, तो अपनी हॉबी को एक एक्साइटिंग करियर अपॉर्च्युनिटी में तब्दील कर सकते हैं।

स्पेशलाइज्ड फील्ड

अगर आप एडवेंचर स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रखते हैं, तो बतौर इंस्ट्रक्टर करियर का आगाज कर सकते हैं। इसमें तीन कैटेगरीज हैं। किसी में भी स्पेशलाइजेशन करना फायदेमंद हो सकता है -

एयर स्पोर्ट्स - आप बंजी जंपिंग, बेस जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, आउटडोर क्लाइंबिंग, स्की जंपिंग, स्काई डाइविंग, सर्फिंग आदि में करियर बना सकते हैं।

लैंड स्पोर्ट्स - आप माउंटेन बाइकिंग, स्पीड बाइकिंग, ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, स्केट बोर्डिंग, फ्रीस्टाइल स्कीइंग, एडवेंचर रेसिंग में आगे बढ़ सकते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स - इसके तहत आप जेट स्कीइंग, क्लिफ डाइविंग, स्कूबा डाइविंग, पॉवरबोटिंग, कायाकिंग, स्पीड सेलिंग, विंड सर्फिंग, वॉटर स्कॉफ्टिंग आदि कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर के पास ज्योग्राफिकल एरिया और वहां होने वाली एक्टिविटीज की जानकारी होनी चाहिए। इन्हें गोल्स बनाने से लेकर स्पोर्टिंग एक्टिविटीज के लिए प्लान करना या डिजास्टर मैनेजमेंट की जिम्मेदारी भी निभानी होती है। स्पोर्टिंग एक्टिविटी की रूट प्लानिंग, नैविगेशन और डिटेल्स तैयार करना भी इनका ही काम होता है। इसके लिए कैंपिंग साइट्स और ट्रेनिंग सेंटर्स का एडमिनिस्ट्रेशन इन्हें देखना होता है।

एलिजिबिलिटी

इस फील्ड के लिए किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं है। आपको सिर्फ हायर सेकंडरी पास करना होगा। लेकिन ग्रेजुएशन करने वालों को प्रिफरेंस मिलती है। इसके अलावा, इंग्लिश या किसी एक फॉरेन लैंग्वेज को जानना आपके लिए जरूरी होगा। जो लोग वॉटर बेस्ड स्पोर्ट्स में जाना चाहते हैं, उनके लिए स्वीमिंग सीखना जरूरी है। इंडिया में कई इंस्टीट्यूट्स एडवेंचर स्पोर्ट्स में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं।

करियर ऑप्शंस

एडवेंचर स्पोर्ट्स में आप कई तरह के प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। आप एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर के अलावा वाइल्ड लाइफ ऐंड ट्रैवल फोटोग्राफर, एडवेंचर स्पोर्ट्स एथलीट, एडवेंचर स्पोर्ट्स फोटोग्राफर, एडवेंचर टूरिज्म फैसिलिटेटर, वाइल्ड लाइफ ऐंड फॉरेस्ट टूरिज्म, नेचुरलिस्ट, कंजर्वेशनलिस्ट, एडवेंचर कैंप कंट्रोलर, एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स एथलीट, वॉटर ऐंड एरो स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट, एडवेंचर टूर गाइड, ट्रेकिंग ऐंड माउंटेन गाइड आदि के तौर पर करियर बना सकते हैं। कई ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एजेंसीज में लायजन ऑफिसर्स की भी बहुत मांग होती है।

कहां है स्कोप

टूरिज्म सेक्टर में यंग टेक्निकल प्रोफेशनल्स के आने से कई तरह के बदलाव आए हैं। लोगों में छुट्टियों को एक नए रोमांचक अंदाज में बिताने का ट्रेंड बढ़ा है। जाहिर है, एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स की डिमांड भी बढ़ी है। आप स्पोर्ट्स सेंटर्स, एथलेटिक क्लब्स, ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एजेंसीज, कॉमर्शियल री-क्रिएशन सेंटर, हॉलीडे रिजॉर्ट, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स के अलावा खुद का एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर खोल सकते हैं या फ्रीलांसर के तौर पर भी करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

सैलरी पैकेज

वैसे तो एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रोफेशनल्स को उनकी स्पेशलाइजेशन के आधार पर सैलरी मिलती है, लेकिन एक कोच या इंस्ट्रक्टर को शुरुआत में करीब 20 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जबकि एक्सपीरियंस के साथ इनकी सैलरी 40 हजार के आसपास हो जाती है।

ऑफिस में पहनें सोबर परिधान

आज के युग में घर पर रहने वाली नारी भी सजग है कि उसे ढंग से तैयार रहना है और बाहर जाते समय वह विशेष तौर पर सचेत रहती है। ऑफिस जाने वाली महिलाओं को तो कुछ विशेष ही सोचना पड़ता है कि वे क्या पहनें जिससे उनकी लुक सोबर दिखाई दे क्योंकि उसे तो प्रतिदिन उन्हीं लोगों के साथ उठना-बैठना है। वे नहीं चाहतीं कि वे हंसी का पात्र बनें। प्रतिदिन की इस दुविधा कि कल क्या पहनूं से बचने के लिए रात्रि में सोने से पहले ही सोच लें तो कम परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

1 दफ्तर के वातावरण को नजर में रखते हुए अपने कपड़ों का चयन करें जिससे आपके पद की गरिमा भी बनी रह सके।
2 कामकाजी महिलाओं के लिए उचित परिधान साड़ी और सलवार- कमीज ही हैं। अविवाहित लड़कियां जींस, पैंट और टॉप भी पहन सकती हैं, वातावरण के अनुसार।
3 परिधान वही पहनें जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आए, केवल फैशन के लिए परिधान का चयन न करें।
4 कपड़े आकर्षक पहनें। इसका अर्थ यह नहीं कि अधिक महंगे कपड़े ही आकर्षक होते हैं। रंगों और फिटिंग पर पूरा ध्यान दें। अच्छी फिटिंग का कपड़ा आपके व्यक्तित्व को और निखारता है चाहे वह अधिक महंगा न हो।
5 ड्राइक्लीनिंग वाले परिधानों को रोजमर्रा में कम से कम पहनें क्योंकि ऐसे कपड़े बहुत महंगे पड़ते हैं और जरा-सा दाग लगने पर ड्राइक्लीनर के पास भेजने पड़ते हैं।
6 कामकाजी महिलाओं को घर पर आराम से धुलने वाले वस्त्रों को ही पहनना चाहिए।
7 जो भी परिधान पहनें आरामदायक होना चाहिए। उसे पहन कर असुविधा नहीं होनी चाहिए।
8 मौसम के अनुसार ही कपड़ों, गहनों और सौंदर्य प्रसाधन सामग्री का चयन करें। ग्रीष्म ऋतु में सूती और हल्के रंगों के वस्त्र अच्छे लगते हैं। शीत ऋतु में सिल्क, स्पन और गाढ़े रंगों के वस्त्र शोभा देते हैं। वर्षा ऋतु में अधिक पतले और चिपकने वाले वस्त्र न पहनें।
9 कामकाजी महिलाओं के वस्त्र अधिक खुले और अधिक तंग अच्छे नहीं लगते। कपड़ों की सिलाई ऐसी हो कि आप अपने शरीर को सुविधानुसार आसानी से मोड़ सकें। अधिक तंग वस्त्र रक्त संचालन में भी बाधा उत्पन्न करते हैं।
10 छुट्टी वाले दिन अपने कपड़ों को जांच-परख कर प्रैस करवा कर अलमारी में लगाएं ताकि काम पर जाते समय परेशानी न उठानी पड़ जाए।
11 साड़ी पहनने पर पल्लू को अच्छी तरह से पिन अप कर लें ताकि आने-जाने और काम के समय पल्लू बार-बार संभालना न पड़े।
12 कमीज और ब्लाऊज के गले अधिक नीचे तक न पहनें। सलवार-कमीज पहनते समय चुन्नी सही ढंग से बांध लें।

एजुकेशन लोन सपने करें साकार

हायर स्टडी लगातार महंगी होती जा रही है। हर स्टूडेंट का यह सपना होता है किसी अच्छे कॉलेज में पढ़ें या अब्रॉड जाकर स्टडी करे, लेकिन जब इस तरह की स्टडी के खर्चों पर नजर जाती है तो यह हिम्मत जवाब देने लगती है। ऐसे में एजुकेशन लोन बड़ा सहारा बन कर आता है। हालांकि यह आसानी से नहीं मिलता और सही एमाउंट का लोन मिल जाए, इसके लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ती है।

लोन की शर्तें

एजुकेशन लोन किसी ऐसे किसी भी स्टूडेंट को मिल सकता है जो 16 से 35 वर्ष का हो, भारतीय नागरिक हो और किसी इंस्टीट्यूट में उसका एडमिशन कन्फर्म हो चुका हो। इसके अलावा, बैंक कुछ और शर्तें भी लगा सकते हैं, जैसे-इंस्टीट्यूट बैंक की रिकग्नाइज्ड लिस्ट में हो, स्टूडेंट का एकेडमिक रिकॉर्ड अच्छा हो, उसके एजुकेशन के दौरान कोई गैप न हो और उसके पैरेंट्स या गार्जियन की इनकम का एक नियमित स्रोत हो। बैंकों की रिकग्नाइज्ड लिस्ट में वे इंस्टीट्यूट ही होते हैं जो यूजीसी या एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त होते हैं।

कवर होने वाले खर्च

एजुकेशन लोन आमतौर पर ट्यूशन फीस, एक्जामिनेशन फीस, हॉस्टल फीस और कैंटीन फीस के लिए मिलता है। कुछ बैंक टेक्स्ट बुक इंस्ट्रूमेंट और इक्विपमेंट के खर्चों को भी लोन में शामिल कर लेते हैं और अब्रॉड स्टडी के मामले में कुछ बैंक एक तरफ के हवाई टिकट खर्च को भी इसमें शामिल करते हैं। एजुकेशन लोन उन कोर्सेज के लिए दिया जाता है जो 12 महीने से ज्यादा के होते हैं। आमतौर पर बैंक पार्ट-टाइम, कॉरेस्पॉन्डेंस या ऑनलाइन प्रोग्राम के लिए लोन नहीं देते। अगर किसी का बैंक से अच्छा रिलेशन है तो वह इसे हासिल कर सकता है। कुछ?बैंक कई पार्ट-टाइम कोर्स के लिए भी लोन देते हैं।

लोन की वापसी

यह हर बैंक के अपने नियम-कायदे पर निर्भर करता है। कुछ बैंक स्टडी पूरी होते ही तत्काल लोन चुकाने की शर्त रखते हैं यानी इसके बाद आपकी ईएमआई तुरंत शुरू हो जाती है। इसी तरह, कुछ बैंक पढ़ाई के बाद कुछ साल का गैप देते हैं ताकि इस दौरान आपको नौकरी मिल जाए और आप आसानी से ईएमआई दे सकें।

जरूरी दस्तावेज

एजुकेशन लोन लेने के लिए स्टूडेंट की आइडेंडिटी, एज, एकेडमिक रिकॉर्ड और एड्रेस प्रूफ लिया जाता है। उसके गार्जियन या पैरेंट्स (जो को-एप्लीकेंट्स होते हैं) के साथ उसके रिलेशन, उनके इनकम और एड्रेस का प्रूफ लिया जाता है। इसके अलावा, इंस्टीट्यूट्स के एडमिशन लेटर की कॉपी भी ली जाती है। अब्रॉड स्टडी के लिए जाने वाले स्टूडेंट को वीजा अप्रूवल, जीआरई, जीमैट आदि के टेस्ट स्कोर और यात्रा संबंधी दस्तावेज की कॉपी जमा करनी पड़ती है। किसी बैंक से एजुकेशन लोन लेने के लिए उसमें एकाउंट रखना जरूरी नहीं होता, लेकिन अगर आपका एकाउंट है तो लोन मिलने में आसानी हो सकती है।

गारंटर की जरूरत

आमतौर पर बैंक भारत में स्टडी करने पर 5 से 15 लाख रुपये और अब्रॉड स्टडी करने पर 20 से 25 लाख रुपये तक का लोन देते हैं। चार लाख रुपये से कम लोन पर गारंटर की जरूरत नहीं होती। इसी तरह, 4 से 7.5 लाख रुपये तक के लोन गारंटर की मदद से ही मिल जाते हैं, लेकिन इससे ज्यादा की राशि के लोन लेने पर बैंक प्रॉपर्टी के कागजात आदि जमानत के रूप में मांगते हैं।

लोन पर ब्याज दर

एजुकेशन लोन पर ब्याज दर आमतौर पर 11 से 14 फीसदी के बीच होती है, लेकिन कुछ बैंक इससे ज्यादा भी ब्याज लेते हैं। कई बैंक गर्ल्स स्टूडेंट के लिए रियायती ब्याज दर रखते हैं। भारतीय स्टेट बैंक एजुकेशन लोन पर सालाना 11.75 से 13.75 परसेंट ब्याज लेता है। इसके अलावा, एसबीआई ने गर्ल्स के लिए स्पेशल एजुकेशन लोन दरें तय कर रखी हैं। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने तो एजुकेशन लोन केलिए क्रेडिला नाम की एक अलग सहायक कंपनी ही बना दी है। क्रेडिला एक लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक का एजुकेशन लोन देती है।

ध्यान रहे

- कई बैंक गर्ल्स को लोन कम ब्याज दर पर देते हैं। जैसे एसबीआई में गर्स्न के लिए लोन पर आधा फीसदी कम ब्याकज लिया जाता है।
- फिलहाल बैंक 11.75 से 14.75 फीसदी तक की दर से एजुकेशन लोन दे रहे हैं।
- कई बैंक लोन अमाउंट के 2 परसेंट तक का प्रोसेसिंग फीस भी लेते हैं। - इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80-ई के तहत सभी तरह के स्टू डेंट लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स रीबेट मिलता है।
- बैंक से कोई बात न छुपाएं। आपके पास यदि कोई डॉक्यूमेंट नहीं है तो उसकी असल वजह साफ-साफ बता दें।
- कोई डॉक्यूमेंट मिस न हो] इसके लिए प्रभावी तरीका यह है कि एक चेकलिस्ट बना लें। - एजुकेशन लोन के लिए को-अप्लीकेशन जरूरी होता है, यह को अप्लीकेंट मां-बाप, पति या पत्नील, भाई-बहन हो सकते हैं।

लोन के लिए गोल्डेन टिप्स

-बैंक से कोई बात न छिपाएं। आपके पास यदि कोई डॉक्यूमेंट नहीं है, तो उसकी असल वजह साफ-साफ बता दें।
-एजुकेशन लोन के लिए को-एप्लीकेशन जरूरी होता है, यह को-एप्लीकेंट मां-बाप, पति या पत्नी, भाई-बहन हो सकते हैं।
-कई बैंक गर्ल्स को रियायती लोन देते हैं, जैसे-एसबीआई में दर आधा फीसदी कम है।?
-फिलहाल बैंक 11.75 से 14.75 फीसदी तक की दर पर एजुकेशन लोन दे रहे हैं।
-कई बैंक लोन अमाउंट के 2 परसेंट तक का प्रोसेसिंग फीस भी लेते हैं।
-सभी तरह के स्टूडेंट लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स रिबेट मिलता है।
-कोई डॉक्यूमेंट मिस न हो, इसके लिए एक चेकलिस्ट बना लें।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली केकियांग का 2 नवंबर को किया जाएगा अंतिम संस्कार, दिल का दौरा पड़ने से हुआ था निधन

बीजिंग । पूर्व चीनी प्रधान मंत्री ली केकियांग का अंतिम संस्कार गुरुवार को बीजिंग में होगा। एक आधिकारिक घोषणा में मंगलवार को कहा कि प्रशंसित सुधारवादी अर्थशास्त्री की अचानक मृत्यु के कुछ दिनों बाद। एक दशक पहले

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के खिलाफ सत्ता के दावेदार रहे 68 वर्षीय ली की पद छोड़ने के कुछ ही महीने बाद 27 अक्टूबर को शंघाई में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। सरकारी मीडिया ने बताया कि इस साल मार्च में सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने के बाद वह आराम के लिए शंघाई में थे। आधिकारिक शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि कॉमरेड ली केकियांग के अवशेषों का गुरुवार को बीजिंग में अंतिम संस्कार किया जाएगा। ली को 2012 में सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) का नेतृत्व करने के लिए शी के खिलाफ मजबूत दावेदार माना जा रहा। वह प्रधानमंत्री के तौर पर करीब एक दशक, मार्च 2013 से मार्च 2023 तक, शी के बाद चीन के दूसरे नंबर के नेता रहे। सीपीसी, कैबिनेट और संसद ने अपने एक शोक संदेश में ली के निधन को भारी नुकसानबताया है। उन्हें सीपीसी का एक श्रेष्ठ सदस्य, समय पर खरा उतरने वाले, विश्वस्त कम्युनिस्ट सैनिक और एक शानदार सर्वहारा क्रांतिकारी, राजनेता तथा पार्टी एवं देश का नेता बताया गया है।

नेपाल के विदेश मंत्री सऊद ने ब्लिंकन से की मुलाकात, अमेरिका से किया समर्थन बढ़ाने का अनुरोध

काठमांडू, । नेपाल ने नेपाल व्यापार तरजीही कार्यक्रम (एनटीपीपी) के पुनर्प्राधिकरण तथा विस्तार का अनुरोध करते हुए व्यापार व निवेश, बाजार पहुंच, खाद्य सुरक्षा और आईटी जैसे क्षेत्रों में अमेरिका से समर्थन बढ़ाने का अनुरोध किया है। वाशिंगटन में नेपाल के विदेश मंत्री नारायण प्रकाश सऊद और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के बीच एक द्विपक्षीय बैठक में नेपाल की ओर से यह अनुरोध किया गया। सऊद के कार्यालय की ओर से यहां मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, ''विदेश मंत्री ने देश को सबसे कम विकसित देश की श्रेणी से बाहर निकालने के संदर्भ में नेपाल की विकास प्राथमिकताओं को रेखांकित किया और व्यापार व निवेश, बाजार पहुंच, खाद्य सुरक्षा तथा आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) सहित अन्य क्षेत्रों में अमेरिका से समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया।' बयान में कहा गया, ''विदेश मंत्री ने नेपाल व्यापार तरजीही कार्यक्रम (एनटीपीपी) और जीएसपी (सामान्यीकृत तरजीही प्रणाली) सुविधाओं के पुनर्प्राधिकरण तथा विस्तार का भी अमेरिका से अनुरोध किया।' वहीं ब्लिंकन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने नेपाल में अमेरिकी निवेश को उजागर करने के लिए नेपाल के विदेश मंत्री नारायण प्रकाश सऊद से मुलाकात की.' ब्लिंकन ने साथ ही इज़राइल पर हमास के आतंकवादी हमले में प्रभावित नेपाली छात्रों के परिवारों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की।

भारतीय मूल का व्यक्ति भारतीय महिला की हत्या मामले में आरोपित

लंदन। भारतीय मूल के एक व्यक्ति (23) को एक भारतीय महिला की हत्या के मामले में आरोपित किया गया है जो दक्षिण लंदन के क्रोयडन में एक घर में मृत पाई गई थी। उसके शव पर चाकू से किए गए घाव थे। रविवार शाम को पुलिस और चिकित्सा कर्मचारियों को घटनास्थल पर बुलाया गया जिन्होंने महिला महक शर्मा को मृत घोषित कर दिया। इस बाद से ही आरोपी शैल शर्मा हिरासत में हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि मृतक के परिजन को सूचना दे दी गई है और मंगलवार को विशेष पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। पुलिस ने कहा, 'महक के परिजन को सूचना दे दी गई है, औपचारिक तौर पर पहचान की प्रतीक्षा की है।' उसने कहा, 'मंगलवार 31 अक्टूबर को विशेष पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।' स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार, माना जाता है कि महक हाल ही में भारत से आई थी। महिला और आरोपी के बीच संबंध के बारे में अभी पता नहीं चल सका है। आरोपी को रविवार को क्रोयडन में 'एश ट्री वे' में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया है। उसे मंगलवार को वेम्बिल्डन मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया जाएगा।'

टेक्सस हाउस पार्टी में शख्स ने 2 लोगों की हत्या की, गिरफ्तार

ऑस्टिन। अमेरिकी राज्य टेक्सस के सैन एंटोनियो में एक हाउस पार्टी में दो लोगों की हत्या करने और तीन अन्य को घायल करने के आरोप में 20 साल के एक बंदूकधारी को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेल रिकॉर्ड से पता चलता है कि राउल ट्रेविनो पर पहले भी कई लोगों की हत्या और घातक हथियार से गंभीर हमले का आरोप लगाया गया था। सैन एंटोनियो पुलिस के अनुसार, घायलों में 13 साल की एक लड़की भी शामिल है। उसके माता-पिता दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात गोलीबारी से पहले पार्टी में आए एक व्यक्ति और पड़ोसी के बीच बहस हुई थी। स्थानीय मीडिया आउटलेट केएसएटी ने नवीनतम एफबीआई डेटा का हवाला देते हुए बताया कि सैन एंटोनियो में हिंसक अपराध के मामलों की संख्या अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

यूक्रेन में रूसी गोलाबारी में 91 वर्षीय महिला की मौत

यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र के रिहायशी इलाकों में रूसी गोलाबारी में 91 साल की एक महिला की मौत हो गई। यूक्रेन के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। खेरसॉन के गवर्नर अलेक्जेंडर प्रोकुडिन द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो फुटेज के अनुसार, रातभर की गोलाबारी से एक ऊंची इमारत में आग लग गई, इसकी खिड़कियां उड़ गईं और इसके कुछ अपार्टमेंट मलबे में तब्दील हो गए। नौवीं मंजिल पर महिला के साथ रह रही उसकी बेटी के अनुसार, उसकी मां की मौत एक अपार्टमेंट की दीवार उसपर गिरने से हुई। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने सोमवार को बताया कि मृत महिला 24 घंटों में देश के पूर्व और दक्षिण में मारे गए तीन यूक्रेनी नागरिकों में शामिल है, जबकि कम से कम 12 लोग इस दौरान घायल हो गए। प्रोकुडिन ने कहा कि सोमवार दोपहर को एक रूसी गोला खेरसॉन में एक सार्वजनिक बस पर गिरा, जिससे सात लोग घायल हो गए। उन्होंने फर्श पर खून के धब्बे के साथ एक टूटी हुई बस की तस्वीरें साझा की हैं।

कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर को चोरों ने बनाया निशाना, चुरायी 100 पाउंड वजनी दान पेटी

न्यूयॉर्क। कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो शहर में दो संदिग्ध एक हिंदू मंदिर में घुस गए और वहां से दान पेटी चुरा ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। सोमवार सुबह चोरी की सूचना मिलने के बाद सैक्रामेंटो पुलिस विभाग के अधिकारी लगभग 2:15 बजे ला मांचा वे में हरि ओम राधा कृष्ण मंदिर पहुंचे। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सर्विलांस वीडियो में दो चोरों को मंदिर में घुसते हुए और सीधे दान पेटी की ओर जाते हुए देखा गया। फुटेज में उन्हें मंदिर के पीछे लगभग 100 पाउंड वजनी बक्सा ले जाते हुए और एक कार में डालते हुए भी देखा गया। मंदिर के संरक्षक गुरु महाराज ने सीबीएस न्यूज को बताया कि बक्से में हजारों डॉलर थे। महाराज ने चैनल से कहा, 'ऐसा लगता है कि जिसने भी यह किया है, वह पूर्व नियोजित था।' महाराज की पत्नी ने बताया कि चोरों ने पीछे और साइड के दरवाजे से अंदर घुसने की कोशिश की। महाराज ने कहा, 'यह हमारे समुदाय के लिए बहुत बड़ी क्षति है और हम लोगों की मदद करने के लिए यहां हैं।' 'हमारे यहां यह जमीन है। हम होमलेस सेंटर के 40 कमरे बनाने वाले हैं ताकि हम लोगों की मदद कर सकें, और अगर ये चीजें होती रहीं तो हम अन्य लोगों की मदद कैसे कर सकते हैं?'

इज़राइल ने गाजा की सुरंगों के अंदर हमास को बनाया निशाना, सैनिक को कैद से कराया मुक्त

गाजा (एजेंसी)। हमास आतंकवादियों के साथ युद्ध के बीच इज़राइल ने गाजा के नीचे इस्लामवादियों के विशाल सुरंग नेटवर्क के अंदर हमास के बंदूकधारियों पर हमला किया। इज़राइल ने अपने नागरिकों को उत्तरी काकेशस (पश्चिम एशिया और पूर्वी यूरोप के बीच विभाजन पर यूरेशिया में स्थित व्यापक काकेशस क्षेत्र का एक हिस्सा) छोड़ने की चेतावनी भी दी है। यह घटनाक्रम तब हुआ जब भीड़ ने रूस के दागेस्तान क्षेत्र में एक हवाई अड्डे पर उस समय धावा बोल दिया जब इजराइल से एक विमान उतरा था।

इस बीच, गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल-हमास युद्ध में फिलिस्तीनी मरने वालों की संख्या 8,306 तक पहुंच गई है। क़ब्ज़े वाले वेस्ट बैंक में हिंसा और इज़रायली छापे में 110 से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइल में 1,400 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें से अधिकांश नागरिक हैं। इसके अलावा, 240 बंधकों को आतंकवादी समूह द्वारा इज़राइल से गाजा में ले जाया गया था।

इज़रायली बलों ने कहा कि उन्होंने गाजा के नीचे इस्लामवादियों के विशाल सुरंग नेटवर्क के अंदर हमास आतंकवादियों पर हमला किया। ऐसा तब हुआ जब प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी एन्क्लेव के मानवीय संकट को कम करने के लिए लड़ाई रोकने के आह्वान को खारिज कर दिया। सुरंगें इज़राइल के लिए एक प्रमुख उद्देश्य

हैं क्योंकि यह तीन सप्ताह पहले हुई गोलीबारी के बाद सत्तारूढ़ हमास आंदोलन को खत्म करने के लिए गाजा के अंदर जमीनी अभियानों का विस्तार कर रहा है, जिसमें इजरायली अधिकारियों का कहना है कि 1,400 से अधिक लोग मारे गए थे।

फिलिस्तीनी कैदियों को मुक्त करें, ताकि हम घर लौट सकें : इजरायली बंधक

तेल अवीव, ।हमास ने सोमवार को संगठन द्वारा बंधक बनाए गए तीन बंधकों का वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से सभी फिलिस्तीनी कैदियों को इजरायली हिरासत से मुक्त करने के लिए कहा है, ताकि वे भी अपने परिवारों के पास वापस लौट सकें। तीन बंधकों की पहचान रिमोन बुचशताब किर्शट (36), डेनिएल अलोनी (44) और लेना टूपानोव (50) के रूप में की गई है। वीडियो में बंधकों ने कहा कि वे पिछले 23 दिनों से हमास की हिरासत में हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही युद्धविराम की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा, '7 अक्टूबर को जब हम पर हमला किया गया और अपहरण किया गया तो बचाने के लिए सेना मौजूद नहीं थी।' उन्होंने कहा, 'हम इजराइल सरकार को कर दे रहे हैं, फिर भी हमें बंधक बना लिया गया है और हम भयानक स्थिति में हैं।' बंदियों ने नेतन्याहू से पूछा कि क्या वह उन्हें मारना चाहते हैं और क्या उन्होंने पर्याप्त वध नहीं किया है? उन्होंने कहा, 'क्या बड़ी संख?या में इजरायली नागरिक नहीं मारे गए हैं? सभी कैदियों को रिहा करो, ताकि सभी अपने परिवारों के पास वापस जा सकें।'

फिर तबाही लाने की तैयारी में लगा अमेरिका? बनाने जा रहा है बेहद खतरनाक परमाणु बम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पेंटागन एक नया सुपर-शक्तिशाली परमाणु बम बनाने की योजना बना रहा है, जो 1945 में हिरोशिमा में इस्तेमाल किए गए बम से 24 गुना अधिक ताकतवर होगा। ये खबर चीन द्वारा 2030 तक अपने परमाणु हथियारों को दोगुना करके 1,000 से अधिक करने के इरादे का खुलासा करने के बाद आई है। आज, रक्षा विभाग ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका बी61 परमाणु गुरुत्वाकर्षण बम के एक आधुनिक संस्करण का अनुसरण करेगा, जिसे बी61-13 नामित किया गया है, जो कांग्रेस के प्राधिकरण और विनियोग तक लंबित है।

रक्षा विभाग की विज्ञप्ति में कहा गया है, ऊर्जा विभाग का राष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा प्रशासन (एनएनएसए) बी61-13 का उत्पादन करेगा। बयान में कहा गया है कि इस क्षमता को आगे बढ़ाने का निर्णय, जो एनएनएसए के निकट सहयोग से किया गया था, 2022 परमाणु मुद्रा समीक्षा में वर्णित तेजी से विकसित हो रहे सुरक्षा वातावरण की मांगों का जवाब देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका का नया बम, जिसे बी61-13 कहा जाता है, विमान से गिराया जाएगा,

जिसमें वर्तमान में विकास में महंगा बी-21 रेडर स्टील्थ बॉम्बर भी शामिल है, जिसकी लागत 692 मिलियन डॉलर है।

पेंटागन ने एक बयान में कहा कि यह बम संभावित विरोधियों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को चुनौती देना और अधिक कठिन बना देगा। यह राष्ट्रपति को बड़े और कठिन सैन्य क्षेत्रों को लक्षित करने के लिए अधिक विकल्प प्रदान करता है। हालाँकि, अंतरिक्ष नीति के सहायक रक्षा सचिव ने नए हथियार पर चर्चा में चीन या रूस का उल्लेख नहीं किया।

हमास के साथ युद्ध के तीसरे चरण में पहुंचा इजरायल, नेतन्याहू का बड़ा बयान

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजरायल हमास के खिलाफ अपने युद्ध के तीसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। नेतन्याहू ने अपने बयान में कहा 'हम युद्ध के बीच में हैं। हमने स्पष्ट रूप से हमास की सैन्य और संचालन क्षमताओं को नष्ट करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। हम इसे व्यवस्थित रूप से कर रहे हैं। पहला ब्लॉकिंग चरण समाप्त हो चुका है। दूसरा चरण, उन्हें हवा से मारना जारी है। तीसरे चरण के रूप में आईडीएफ ने गाजा पट्टी में अपनी जमीनी घुसपैठ का विस्तार किया है।'

मुसलमानों को देश से निकालूंगा...डोनाल्ड ट्रंप ने दोबारा राष्ट्रपति बनने को लेकर कर दिया ऐसा ऐलान, पूरी दुनिया हो गई परेशान

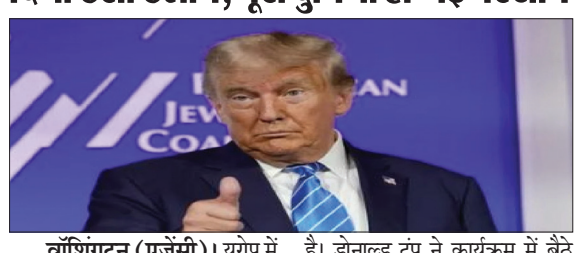

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूरोप में हमास समर्थक लाखों लोगों को सड़कों पर प्रदर्शन करता देख अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा बयान दिया है जिसने हंगामा खड़ा कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप का ये बयान मुस्लिम शर्णार्थियों को लेकर है। जिन्होंने पूरे यूरोप को अपनी चपेट में ले लिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आज यूरोप और अमेरिका की सड़कों पर जो हो रहा है वो काफी चिंताजनक है। हम यूरोप जैसा नहीं बनना चाहते जहां आज हर कोने पर जिहाद ही दिखता है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं दोबारा राष्ट्रपति बनते ही देश से इस्लामिक कट्टर आर्तकियों को निकाल दूंगा।

हैरानी की बात देखिए कि डोनाल्ड ट्रंप ने ये बयान यहूदी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिया है। इस बयान के बाद इजरायल में डोनाल्ड ट्रंप की जमकर तारीफ हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यक्रम में बैठे लोगों से पूछा कि आपको मेरा वो ट्रैवल बैन याद है जिसमें मैंने मुस्लिमों की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था। ट्रंप ने कहा कि जिस दिन मैं दोबारा राष्ट्रपति बनूंगा उस ट्रैवल बैन को दोबारा लागू कर दूंगा। आपको याद दिला दें कि 2017 में राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप ने इरान, इराक, लीबिया समेत कई मुस्लिम देशों के लोगों की एंट्री अमेरिका में बैन कर दी थी। जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद इस फैसले को पलट दिया गया। अब ट्रंप ने दोबारा इसको मुद्दा बना लिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आज यूरोप की सड़कों का हाल देखिए। किस तरह से कट्टरता बढ़ती जा रही है। आपको बता दें कि चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में बसे यहूदियों और हिन्दुओं को खुश करने में जुट गए हैं। अमेरिका में यहूदी लॉबी बेहद मजबूत हैं और चुनाव में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर छह माह रहने के बाद तीन अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर लौटे

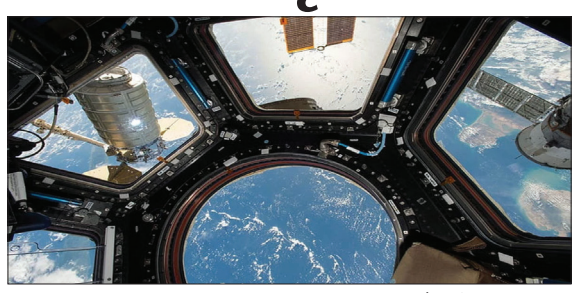

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के तीन अंतरिक्ष यात्री छह महीने तक अपने देश के अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने के बाद मंगलवार सुबह पृथ्वी पर लौट आए। आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि जिंग हाइपेंग, झू यांगझू और गुई हाइचाओ गोबी रेगिस्तान के किनारे जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र के पास 'रिटर्न कैप्सूल' से बाहर आए। तीनों का स्वास्थ्य अच्छा है। अंतरिक्ष स्टेशन का नया तीन सदस्यीय दल पिछले सप्ताह तियांगोंग स्टेशन पर पहुंचा। यह नया दल चिकित्सकीय और वैज्ञानिक प्रयोग करने के साथ साथ उपकरणों का रखरखाव करेगा। चीन ने 2003 में अपने पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन को अंजाम दिया और 2030 से पहले चंद्रमा पर उसने अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना बनाई है। चीन ने चंद्रमा की सतह से नमूने लिए और चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर एक रोवर उतारा है। उसकी भविष्य की योजनाओं में ब्रह्मांड के रहस्यों के गहन अध्ययन के लिए एक नई दूरबीन भेजना शामिल है।

बांग्लादेश ने बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच अर्धसैनिक बलों की तैनाती की

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा मंगलवार से तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी परिवहन नाकेबंदी करने के आह्वान के मद्देनजर सरकार ने देशभर में अर्धसैनिक बलों को तैनात कर दिया और पुलिस विभाग तथा अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए कहा गया है।

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने बताया कि उन्होंने देशभर में जवान तैनात कर दिये हैं, जबकि अर्धसैनिक बल के सैकड़ों जवान राष्ट्रीय राजधानी ढाका में तैनात रहेंगे। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा, 'कानून और व्यवस्था बनाए रखने और प्रमुख राजमार्गों की सुरक्षा के लिए आवश्यक संख्या में बीजीबी प्लाटून को देशभर में भेजा गया है।' विशिष्ट अपराध विरोधी रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) के प्रवक्ता ने कहा कि बल के कर्मी प्रमुख शहरों में सतर्क रहेंगे और जरूरत के अनुसार मोर्चा संभाल लिया जाएगा।

गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल ने सोमवार देर रात 'कानून-व्यवस्था मामलों कोर समिति' की बैठक बुलाई और पुलिस तथा अन्य कानून प्रवर्तन और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हालात की समीक्षा की। बैठक से अवगत एक अधिकारी ने

कहा, 'कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों को विपक्ष के तीन दिवसीय परिवहन नाकेबंदी के दौरान तोड़फोड़ और हिंसा की घटना को रोकने के लिए अधिक सतर्कता बरतने को कहा गया है।' सोमवार रात अज्ञात बदमाशों ने दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चट्टोग्राम और राजधानी के बाहरी इलाके में स्थित गाजीपुर शहर में दो खाली बसों में आग लगा दी, जिससे आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई।

बांग्लादेश में जनवरी की शुरुआत में होने वाले आम चुनावों को लेकर बढ़ते तनाव के बीच बीएनपी ने शनिवार को देश के विभिन्न हिस्सों से कार्यकर्ताओं की एक विरोध बैठक बुलाई और अवामी लीग ने राजधानी में 'शांति रैली' का आयोजन किया था। सुरक्षा के बावजूद बीएनपी कार्यकर्ताओं ने एक पुलिस कांस्टेबल की कथित तौर पर हत्या कर दी, राजारबाग सेंट्रल पुलिस अस्पताल (सीपीएच) में कई एंबुलेंस, एक पुलिस बूथ और शहर में अन्य जगहों पर बसों सहित कई वाहनों को आग लगा दी गई। इसके बाद बांग्लादेश में सुरक्षा बढ़ाई गई है।

भारतीय-अमेरिकी सीईओ को 50 मिलियन डॉलर तक का करना होगा भुगतान

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूयॉर्क, 31 अक्टूबर (वेब वार्ता)। अमेरिका में एक फार्मास्युटिकल कंपनी और उसके भारतीय मूल के प्रमुख उन आरोपों को सुलझाने पर सहमत हुए हैं कि उन्होंने जानबूझकर कंपनी की दवा नाइट्रोफ्यूरेंटोइन ओरल सस्पेंशन (नाइट्रो ओएस) के लिए मेडिकेड छूट का कम भुगतान किया है।

मिसौरी स्थित नॉस्ट्रम लेबोरेटरीज और इसके संस्थापक और सीईओ निर्मल मुले ने उन दावों को निपटाने के लिए न्यूनतम 3,825,000 और अधिकतम 50 मिलियन डॉलर तक का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। न्याय विभाग की एक विज्ञप्ति में सोमवार को कहा गया कि यह समझौता नोस्ट्रम और मुले की वित्तीय स्थिति पर आधारित है। मेडिकेड ड्रग रिबेट कार्यक्रम के अनुसार, दवा निर्माताओं की दवाओं के मेडिकेड कवरेज के बदले राज्य मेडिकेड कार्यक्रमों में त्रैमासिक छूट का भुगतान करना आवश्यक है। क़ानून में निर्माताओं को दवाओं के लिए मुद्रास्फीति-आधारित छूट का भुगतान करने की आवश्यकता होती है, जो कि मेडिकेड कार्यक्रम को मुद्रास्फीति से अधिक दवा की कीमत में वृद्धि से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मैसाचुसेट्स जिले के कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी जोशुआ एस लेवी ने कहा, 'मेडिकेड कार्यक्रम एक मूल्यवान सुरक्षा जाल है, जो कुछ सबसे कमजोर अमेरिकियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है।' 'मेडिकेड को उचित छूट का भुगतान करने में जानबूझकर विफल रहने पर, नोस्ट्रम ने मुनाफा कमाने की उम्मीद में उन अमेरिकियों से संसाधनों को हटाने के लिए उस कार्यक्रम का उपयोग किया। यह कार्यालय इस तरह के घोर दुर्व्यवहार पर अपनी आंखें नहीं मूदेगा।' एफबीआई बोस्टन फील्ड कार्यालय के प्रभारी विशेष एजेंट, जोडी कोहेन के अनुसार, नोस्ट्रम ने मेडिकेड कार्यक्रम के लिए भुगतान की जाने वाली राशि को गलत तरीके से देय छूट की गणना करके कम कर दिया, यहां तक कि उनकी एक दवा की कीमत में 400 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के बाद भी। समझौते के हिस्से के रूप में, नॉस्ट्रम और मुले ने स्वीकार किया कि पूर्व ने दिसंबर 2015 में एक अन्य निर्माता से नाइट्रो ओएस का अधिग्रहण किया और अपने पहले से मौजूद एफडीए अनुमोदन के अनुसार उत्पाद का विपणन जारी रखा। जनवरी 2018 में, नॉस्ट्रम ने अस्थायी रूप से नाइट्रो ओएस का निर्माण बंद कर दिया, क्योंकि उत्पाद में सीसे की मात्रा 2018 एफडीए मार्गदर्शन का अनुपालन नहीं करती थी। समग्र सीसा स्तर को कम करने के लिए दो निष्क्रिय सामग्रियों की मात्रा को संशोधित करने के बाद, नॉस्ट्रम ने अगस्त 2018 में नाइट्रो ओएस का निर्माण और विपणन फिर से शुरू किया। नोस्ट्रम ने नाइट्रो ओएस के पुनर्लॉन्च किए गए संस्करण को 'पुनर्निर्माण' के रूप में चित्रित किया, लेकिन नोस्ट्रम ने किसी भी सामग्री को जोड़ा या घटाया नहीं और सक्रिय सामग्री अपरिवर्तित रहती है। नाइट्रो ओएस भी उसी खुराक के रूप और ताकत में रहा जैसा कि 2018 से पहले था। नॉस्ट्रम ने नाइट्रो ओएस के इस संस्करण को 2018 से पहले के संस्करण की तरह ही एफडीए अनुमोदन के तहत विपणन करना जारी रखा है और उसका कहना है कि ऐसा करना कानूनी है, क्योंकि दवा में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। अगस्त 2018 में नाइट्रो ओएस को फिर से लॉन्च करने के बाद, नॉस्ट्रम ने इसकी कीमत 474.75 डॉलर से बढ़ाकर 2,392.32 डॉलर प्रति बोतल कर दी, इससे मुद्रास्फीति-आधारित छूट के कारण राज्य मेडिकेड कार्यक्रमों से काफी अधिक मेडिकेड ड्रग रिबेट चालान शुरू हो गए।

फ्लाइट में जमकर चले थप्पड़-घूसे, कवि सुनील जोगी ने शेयर किया वीडियो

पटना । देश के दिग्गज कवि सुनील जोगी ने फ्लाइट में यात्रियों के बीच थप्पड़-घूसे चलने का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें कवि ने लेकल ट्रेन की फीलिंग का एहसास करवाया है। हालांकि जैसे-जैसे हवाई सफर आसान होता जा रहा, फ्लाइट में मारपीट और झगड़े के मामले भी आम होते जा रहे हैं। फ्लाइट में यात्रियों की एक-दूसरे से झड़प में घूसे और थप्पड़बाजी का चौंकाने वाला यह वीडियो खूब देखा जा रहा है। ये वीडियो कब और कहां का है ये स्पष्ट नहीं है।

हालांकि, जिस तरह से एक यात्री को अचानक घेरकर दूसरे लोगों ने मारपीट शुरू कर दी वो चौंकाने वाला है। कवि डॉ. सुनील जोगी द्वारा शेयर किए गए वीडियो देखने से नजर आ रहा कि कैसे फ्लाइट में पैसेंजर ट्रेन की तरह यात्रियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो जाती है। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे पर थप्पड़ और घूसे बरसा दिए। यही नहीं दो लोगों के बीच विवाद में कुछ दूसरे लोग भी आ गए। उन्होंने भी एक यात्री की बुरी तरह से पिटाई शुरू कर दी। कवि सुनील जोगी ने इस घटनाक्रम को अपने मोबाइल कैमरे में कैद किया है और उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया है। फ्लाइट में घूसे-थप्पड़बाजी का ये 51 सेकंड का वीडियो उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि बदलते भारत की तस्वीर, हवाई सफर इतना सुलभ हो गया है कि लोकल ट्रेन की फीलिंग आने लगी है। कवि सुनील जोगी द्वारा एक दिन पहले शेयर किए गए इस वीडियो को अब तक करीब साढ़े चार हजार लोगों ने देखा है। वहीं डेढ़ हजार से ज्यादा लोगों ने इस वीडियो को शेयर किया है। फ्लाइट में मारपीट का ये वीडियो बेहद चौंकाने वाला है। शुरू में देखने पर लग रहा कि जरा सी बात है। हालांकि, धीरे-धीरे विवाद तेजी से बढ़ा और घूसे और थप्पड़ तक बात पहुंच गई। इस दौरान फ्लाइट की अटेंडेंट और एयरहोस्टेस ने बीचबचाव की कोशिश की। लेकिन दोनों यात्रियों में मारपीट जैसे ही शुरू हुई तो उसे भी कुछ समझ नहीं आया।

भारत-कजाकिस्तान कर रहे हैं काउंटर टेररिज्म ऑपरेशंस का संयुक्त सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली । भारत और कजाकिस्तान की सेनाओं ने सोमवार 30 अक्टूबर से एक महत्वपूर्ण संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। सैन्य अभ्यास में काउंटर टेररिज्म ऑपरेशंस, छापेमारी, खोज और विनाश ऑपरेशन का अभ्यास शामिल है। यह संयुक्त सैन्य अभ्यास कजाकिस्तान में हो रहा, इसमें भारतीय थल और वायु सेना शामिल हैं। थलसेना और वायु सेना की 120 सैन्य कर्मियों वाली टुकड़ी संयुक्त सैन्य 'अभ्?यास काज़्डि-2023' के 7वें संस्करण में भाग लेने के लिए कजाकिस्तान में है। इस सैन्य अभ्यास का आयोजन 30 अक्टूबर से 11 नवंबर 2023 तक कतर, कजाकिस्तान में हो रहा है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारतीय सेना के दल में डोगरा रेजिमेंट की एक बटालियन के नेतृत्व में 90 सैन्य कर्मी हैं। कजाकिस्तान के सैन्य दल का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से कजाख ग्राउंड फोर्सेज के दक्षिण क्षेत्रीय कमान के सैन्य कर्मियों द्वारा किया जाता है। इस सैन्य अभ्यास के वर्तमान संस्करण में सेना की टुकड़ियों के साथ दोनों पक्षों से वायु सेना के 30 सैन्य कर्मी भी भाग ले रहे हैं। भारत और कजाकिस्तान के बीच संयुक्त अभ्यास को वर्ष 2016 में 'एक्सरसाइज प्रबल दोस्तीक' के रूप में शुरू किया गया था। दूसरे संस्करण के बाद, अभ्यास को कंपनी-स्तरीय अभ्यास में अपग्रेड किया गया और इसका नाम बदलकर 'एक्सरसाइज काज़्डि' कर दिया गया। इस वर्ष वायु सेना को शामिल करके अभ्यास को द्वि-सेवा अभ्यास के रूप में अपग्रेड किया गया है। अभ्यास के इस संस्करण में, दोनों सैन्य पक्ष संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के अंतर्गत उप-औपचारिक वातावरण में आतंकवाद विरोधी अभियानों के संचालन का अभ्यास कर रहे हैं। ये टुकड़ियां संयुक्त रूप से विभिन्न सामरिक अभ्यासों का अभ्यास करेंगी, जिसमें छापेमारी, खोज और विनाश संचालन, छोटी टीम प्रविष्टि और निष्कर्षण संचालन आदि शामिल हैं। अभ्यास के कार्यक्षेत्र में काउंटर मानव रहित हवाई प्रणाली संचालन भी शामिल है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि 'एक्सरसाइज काज़्डि-2023' दोनों सैन्य पक्षों को एक-दूसरे की रणनीति, युद्ध अभ्यास और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगा, जो संयुक्त राष्ट्र कार्यक्षेत्र के अंतर्गत कार्य संचालन के लिए जरूरी है।

जेल में बंद मनीष सिसोदिया, संजय सिंह को आप ने बनाया स्टार प्रचारक

भोपाल । मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा-कांग्रेस और बसपा के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने भी 35 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में आप ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ शराब घोटाले में जेल में बंद मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह को स्टार प्रचारक बनाया है। इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है। आम आदमी पार्टी ने जिन नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है, उनमें मप्र के प्रभारी एवं सांसद डॉ. संदीप पाठक, गोपाल राय, राघव चड्ढा, पंकज गुप्ता, आतिशी, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन, अमन अरोरा, राज कुमार आनंद, अनमोल गगन मान, लालजीत सिंह भुल्लर, चेतन सिंह, ब्रह्म शंकर, हरपाल सिंह चीमा, हरजोत सिंह, डॉ. बलबीर सिंह, बालकर सिंह, दिलीप पांडे, राखी बिड़लान, कुलदीप कुमार, बीएस जून, रजनीश दाहिया, शेरी कलसी, मंजिदर सिंह लालपुरा, दिनेश चड्ढा, चैतर वासवा, जगतार सिंह, रानी अग्रवाल और पंकज सिंह का नाम शामिल है।

न्यायालय ने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को लेकर दिल्ली समेत पांच राज्यों से हलफनामे देने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एस के कौल की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पीठ ने उन्हें एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ में न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की मुख्य वजहों में से एक पराली जलाना है। उच्चतम न्यायालय ने पहले दिल्ली में तथा उसके आसपास वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से एक रिपोर्ट मांगी थी।

आजम खान को लगा एक और बड़ा झटका, जौहर ट्रस्ट से जमीन वापस लेगी योगी सरकार, कैबिनेट ने लगाई मुहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार (31 अक्टूबर) को जेल में बंद समाजवादी पार्टी नेता आजम खान के जौहर ट्रस्ट से कुछ सरकारी जमीन वापस लेने का फैसला किया है। यह फैसला सुबह 11 बजे लखनऊ के लोकभवन में योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में एक दर्जन से अधिक प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिसमें तत्कालीन समाजवादी पार्टी सरकार द्वारा जौहर ट्रस्ट को आवंटित जमीन वापस लेने का मुद्दा भी शामिल था। तत्कालीन सपा सरकार के दौरान माध्यमिक शिक्षा विभाग की जमीन आजम खान के जोहट ट्रस्ट को 100 रुपये सालाना किराये पर आवंटित की गई थी। बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने आरोप लगाया था कि सपा के कार्यकाल में आजम ने मुर्तजा विद्यालय की जमीन जौहर ट्रस्ट के नाम करा ली थी। जमीन पर समाजवादी पार्टी का कार्यालय बना हुआ था। इससे पहले पिछले महीने आयकर (आईटी) विभाग ने आजम खान के ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह छापेमारी अल जौहर ट्रस्ट मामले में की गई थी। यह छापेमारी रामपुर, लखनऊ, सहारनपुर, गाजियाबाद और सहारनपुर समेत राज्य के कई अन्य जिलों में की गई। पिछले दिनों रामपुर की एक अदालत ने समाजवादी पार्टी (सपा) नेता आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के पांच साल पुराने मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की सजा सुनाई थी। जनवरी 2023 में खान ने एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने खुद को 卐गरीबों का मसीहा卐 बताया था और सरकार पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया था। मानहानि मामले में पेश होने के लिए बांद्रा कोर्ट पहुंचे खान ने मीडिया से कहा कि वह निर्दोष हैं और सरकार 'जानबूझकर उन्हें फंसा रही है।' खान ने कहा था, 'मुझे परेशान करने के लिए सब कुछ किया जा रहा है, मैंने कोई अपराध नहीं किया है। अब तक पूंजीपतियों ने विश्वविद्यालय बनाए हैं। मैं एक गरीब आदमी हूं, मैंने एक विश्वविद्यालय बनाया जो अनाथों से फीस नहीं लेता।'

स्वतंत्र भारत को एक भारत बनाने में सरदार पटेल के योगदान को क्यों छिपाया: राजनाथ सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आजाद भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बड़ा योगदान दिया है। उन्ही के प्रयासों का परिणाम है कि आज भारत की एकता और अखंडता का उदाहरण दुनिया में बना हुआ है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर स्वतंत्र भारत को एक भारत बनाने में सरदार पटेल की भूमिका को सामने क्यों नहीं आने दिया। उन्होंने बिना नाम लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत को एक भारत बनाने में सरदार पटेल की जो भूमिका रही उसे प्रमुखता से देश की जनता के सामने नहीं आने दिया गया। देश के पहले गृह मंत्री 'भारत रत्न सरदार वल?लभ भाई पटेल की जयंती 'एकता दिवस पर यहां आयोजित 'रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम को मुख्यमंत्री योगी आदित?यनाथ की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ''स्वतंत्र भारत को एक भारत बनाने में सरदार पटेल की जो भूमिका रही उसे प्रमुखता से देश की जनता के सामने नहीं आने दिया गया।

उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्षों से हम सरदार पटेल को वह सम्मान दिलाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसके वह सच्चे हकदार रहे हैं। 2013 में नरेन्द्र मोदी जी

जब प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित हुए थे, उस वर्ष हमारी पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था और उस समय मैंने कार्यक्रम को हरी झंडी दिखायी थी। सिंह ने कहा, ''आज 10 साल बाद बतौर रक्षा मंत्री 'रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम को हरी झंडी दिखा रहा हूं। उन्होंने कहा, ''यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित किया जाता है कि देश के युवा सरदार पटेल के महत्व को समझ सकें और उनसे प्रेरणा लेकर भारत की एकता व अखंडता का संदेश जनता के बीच पहुंचाएं।सिंह ने कहा, ''यह सरदार पटेल की दूरदर्शिता और उनके रणनीतिक-कूटनीतिक क्षमता का ही कमाल था कि भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित की जा सकी। आप सबने जूनागढ़ रियासत और निजामशाही की घटनाओं के बारे में सुना होगा। सरदार पटेल ने इन दोनों रियासतों का भारत में विलय कराया। उन्होंने कहा, ''कल्पना कीजिए कि अगर सरदार पटेल ने सूझबूझ और दृढ़ता का परिचय न दिया होता तो आज भारतवासियों को जूनागढ़ और हैदराबाद जाने के लिए वीजा, पासपोर्ट की जरूरत पड़ती। सिंह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन?द्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया में में 182 फुट ऊंची सरदार पटेल की प्रतिमा का निर्माण कराया है और उसका नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी रखा है।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''देश के प्रथम गृह मंत्री की जयंती के अवसर पर हम जहां उनको याद कर रहे हैं और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं, वहीं हमें उन सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और नेताओं का स्मरण करना चाहिए जिन्होंने भारत को आजाद कराने और स्वतंत्र भारत के निर्माण में अपनी बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। सरदार पटेल के कार्यों की सराहना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ''जब भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ तो वह 562 रियासतों में बंटा हुआ भारत था, लेकिन देश के गृह मंत्री के रूप में सरदार वल?लभ भाई पटेल ने जो भूमिका निभाई उसके कारण पूरा भारत एक हो पाया।

यह प्रतिमा न्यूयॉर्क के 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से भी बड़ी है। हम लोगों के लिए सौभाग्य का विषय है कि दुनिया में कोई भी प्रतिमा सरदार पटेल की प्रतिमा से बड़ी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं कई बार केवड़िया गया हूं, वह एक प्रेरणा स्थल और पर्यटन स्थल हैं। रक्षा मंत्री ने लोगों को वहां जाने की सलाह दी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''सरदार पटेल की जयंती एकता और एकजुटता के संकल्प का दिन है और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेने का भी यह दिन है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस पर भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उप्र के मुख?यमंत्री योगी आदित?यनाथ के अलावा दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत कई प्रमुख लोगों ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी।

आशंका है कि ईडी दो नवंबर को केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेगी : आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को दावा किया कि ऐसी आशंका है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछताछ करने के बाद दो नवंबर को उन्हें गिरफ्तार कर लेगा। दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उसके शीर्ष नेताओं को जेल में डालकर पार्टी को खत्म करने का प्रयास कर रही है। केजरीवाल को धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत समन जारी किए गए हैं और सूत्रों के अनुसार ईडी दो नवंबर को सुबह 11 बजे केजरीवाल के जांच एजेंसी के दिल्ली कार्यालय में पेश होने के बाद उनका बयान दर्ज करेगी। यह पहली बार है जब ईडी ने केजरीवाल को समन भेजा है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अप्रैल में इस मामले में उनसे पूछताछ की थी। दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा 'आप' को निशाना बनाने के लिए इन हथकंडों का इस्तेमाल कर रही है क्योंकि वह जानती है कि चुनावों में केजरीवाल को हराया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा, ''ऐसी खबर है कि केजरीवाल को दो नवंबर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अगर उन्हें गिरफ्तार किया जाता है तो उसके पीछे भ्रष्टाचार (आरोप) की वजह नहीं होगी बल्कि भाजपा के खिलाफ बोलने की वजह होगी।'' आतिशी ने कहा, ''आप ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में दो बार और एमसीडी चुनावों में भी भाजपा को हराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से डरे हुए हैं। भाजपा जानती है कि वह चुनाव में आप को नहीं हरा सकती।'' मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सत्येंद्र जैन समेत 'आप' के शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी के संदर्भ में आतिशी ने दावा किया कि इसका केवल यही मतलब है कि भाजपा, 'आप' को खत्म करना चाहती है।

मोदी सरकार में नंबर एक की हैसियत में है अडानी : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार में उद्योगपति अडानी नंबर एक की हैसियत में है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वही करते हैं जो अडानी कहते हैं।

श्री गांधी ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा 'श्री मोदी की आत्मा अडानी में है और उनकी ताकत अडानी के पास है। श्री मोदी वही करने को विवश होते है जो अडानी उनसे करवाना चाहते हैं। देश के सभी क्षेत्रों के उद्योगों पर अडानी का एकाधिकार है और वह आए दिन हर उद्योग पर कब्जा कर रहे है।'

कांग्रेस नेता ने कहा कि जैसे ही अडानी पर सवाल उठाए जाते हैं ईडी, सीबीडी सक्रिय हो जाती हैं लेकिन मोदी सरकार को समझ लेना चाहिए कि अब अडानी बच नहीं सकते। पूरे देश की और पूरे विपक्ष की निगाह अडानी पर है और सरकार का प्रयास लोगों को भटकाने का है।

उन्होंने कहा 'मोदी सरकार में अडानी नंबर एक और नरेंद्र मोदी नंबर दो की पोजीशन में हैं। श्री मोदी की आत्मा अडानी में है इसीलिए अडानी के लिए कृषि कानून बना दिया। एयरपोर्ट, बंदरगाह, सीमेंट कारखाने और अन्य ढांचागत व्यवस्था अडानी को

सौंप दी गई है।'

कांग्रेस नेता ने कहा कि अडानी का एकाधिकार हो गया है और इससे नुकसान देश के युवाओं का हो रहा है। अडानी को देश की जनता का पैसा छीनकर दिया जा रहा है। उनका कहना था कि देश में जाति गणना के बिना कुछ नहीं हो सकता है। अडानी से देश के लोग बिजली खरीदते हैं, बिजली कोयला से बनती है और कोयला अडानी के हवाले है। अडानी, मोदी सरकार से लोगों पर मनमानी कर लगाकर उगाई कर रहे हैं और देश के दलितों तथा आदिवासियों का पैसा लूटा जा रहा है।

उन्होने कहा 'श्री मोदी देश के लोगों का ध्यान भटकाकर, देश की पूंजी अडानी को दे रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान हिंदुस्तान के युवाओं का हो रहा है। ये एक तरफ आपसे झूठे भविष्य का वादा करते हैं और फिर दूसरी तरफ आपका धन दूसरे के हाथ में सौंप देते हैं। ये हिंदुस्तान की सच्चाई है।'

मुकेश अंबानी को धमकी: 4 सौ करोड़ दे...दो नहीं तो एक स्नाइपर ही ले लेगा जान

मुंबई (एजेंसी)। दुनिया के गिने चुने उद्योगपतियों में शुमार मुकेश अंबानी को तीसरी बार जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार आरोपी ने कहा है कि कितनी ही सुरक्षा बढ़ा लो हमारा एक स्नाइपर ही आपकी जान ले लेगा। बेहतर होगा कि हमे 4 सौ करोड़ दे दो। बता दें कि अंबानी को यह तीसरी बार धमकी मिली है। पहली बार में आरोपी ने 20 करोड़ मांगे थे,दूसरी बार में दो सौ करोड़ मांगे, और अब तीसरी बार की धमकी में 4 सौ करोड़ की रकम मांगी है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और दुनिया के अमीरों की लिस्ट में शुमार मुकेश अंबानी को बीते कुछ ही दिनों में तीन बार धमकी मिल चुकी है। मुकेश अंबानी की आधिकारिक आईडी पर आए ईमेल में लिखा है, तुम्हारी सुरक्षा कितनी भी चाक चौबंद हो, हमारा एस स्नाइपर ही तुम्हारी जान ले सकता है। इस बार 400 करोड़ और पुलिस मेरा ना पता लगा सकती है और ना ही गिरफ्तार कर सकती है। इन धमकियों की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने अंबानी के दक्षिणी मुंबई के आवास एंटीलिया की सुरक्षा बढ़ा दी है। पहली बार धमकी वाला मेल शुक्रवार को आया था। धमकी देने वाले ने 100 करोड़ रुपये की मांग की थी और अंबानी को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने अपना नाम शादाब खान बताया था। इसके बाद एंटीलिया के सिक्योरिटी इनचार्ज देवेंद्र मुंशीराम ने पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई थी। शनिवार को दूसरा ईमेल आया और रंगदारी की रकम डबल हो गई। हालांकि मुकेश अंबानी की तरफ से इन ईमेल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का कहना है कि उसी सेंडर ने सोमवार को एक बार फिर मेल भेजकर धमकी दी। पुलिस का कहना है कि ईमेल भेजना वाला बेल्जियम के सर्विस प्रोवाइडर का इस्तेमाल कर रहा है। मुंबई पुलिस ने एक पत्र लिखकर इंटरनेट प्रटोकॉल ऐड्रेस को लोकेट करने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि जांच जारी है और जल्द ही धमकी देने वाले का पर्दाफाश होगा।पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ सेक्शन 387 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

परषोत्तम रूपाला ने कृषि भवन परिसर से 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने मंगलवार को कृषि भवन परिसर से 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई और इसका नेतृत्व किया। इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री डॉ. संजीव कुमार बालियान और डॉ. एल. मुरुगन भी उपस्थित थे। इस दौरान अपने संबोधन में परषोत्तम रूपाला ने कहा देश की अखंडता और डेयरी सहकारी क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा और वह हमें प्रेरित करते रहेंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के 150 से अधिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पशुपालन और डेयरी विभाग की सचिव अलका उपाध्याय और मत्स्य पालन विभाग के सचिव, डॉ. अभिलक्ष लिखी ने कृषि भवन परिसर से राजेंद्र प्रसाद रोड होते हुए हैदराबाद हाउस तक 'रन फॉर यूनिटी' में जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। राष्ट्र की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने के वादे के साथ सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ के साथ 'रन फॉर यूनिटी' की शुरुआत की।

महाराष्ट्र सरकार ने लिए तीन अहम फैसले, मराठों को मिलेगा कुनबी जाति का प्रमाणपत्र

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि वह कुनबी जाति प्रमाण पत्र के लिए मराठा समुदाय की लंबे समय से चली आ रही मांग पर कार्रवाई शुरू करेगी, जो उन्हें ओबीसी श्रेणी में आरक्षण के लिए पात्र बनाती है। सरकार ने सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप शिंदे की अध्यक्षता वाली समिति की पहली रिपोर्ट स्वीकार कर ली। मराठवाड़ा क्षेत्र में विशेष रूप से मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए समिति की स्थापना की गई थी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदेन ने मराठा आरक्षण को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन को शांत करने के लिए समाधान खोजने के लिए मंगलवार को एक तत्काल कैबिनेट बैठक की।

कैबिनेट बैठक में तीन अहम फैसले लिए गए।

जस्टिस संदीप शिंदे की पहली रिपोर्ट को मंजूरी दी गई है। जस्टिस शिंदे ने मराठवाड़ा के निज़ाम काल के दौरान मराठा कुनबी और कुनबी मराठा के दस्तावेजों की जांच की थी। पिछड़ा वर्ग आयोग अब मराठा समुदाय के शैक्षिक और सामाजिक पिछड़ेपन की जांच करेगा और ताजा अनुभवजन्य डेटा एकत्र करेगा। वहीं, न्यायमूर्ति दिलीप भोसले की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति मारोती गायकवाड़ और न्यायमूर्ति संदीप शिंदे की समिति मराठा आरक्षण प्रदान करने के लिए सरकार को कानूनी सलाह देगी।

सरकार का निर्णय कार्यकर्ता मनोज जारांगे के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के बीच आया है, जिन्होंने मराठा समुदाय के लिए कोटा अधिकारों की खोज में अनिश्चितकालीन उपवास किया था। इस मांग को लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में हिंसा की कई घटनाएं भी भड़की थीं। इस बीच, मराठा विरोध का नेतृत्व कर रहे कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने कहा कि मराठा समुदाय ÷अधूरा आरक्षण÷ स्वीकार नहीं करेगा और महाराष्ट्र सरकार को इस मुद्दे पर राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए। कुनबी, एक कृषक समुदाय, पहले से ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आरक्षण के लिए पात्र हैं।

कौन कर रहा बड़े नेताओं के फोन हैक? हैकिंग की कोशिश पर एप्पल अलर्ट, विपक्षी नेताओं ने सरकार पर लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा, शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और शशि थरूर सहित कई विपक्षी नेताओं ने कहा कि उन्हें अपने फोन और ईमेल पर एप्पल से संदेश मिले हैं, जिसमें चेतावनी दी गई है कि 'राज्य प्रायोजित हमलावर' हो सकते हैं। उनके iPhone को निशाना बना रहे हैं।

एक ट्वीट में मोइत्रा ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के अन्य नेता, जिनमें कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और शशि थरूर, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी (आप) नेता राघव चड्ढा, सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी और अन्य शामिल हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कार्यालय को भी एप्पल की ओर से चेतावनी भरे संदेश मिले।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार उनके फोन हैक करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने उन संदेशों के स्क्रीनशॉट संलग्न किए, जो उन्हें सोमवार देर रात उनके फोन और ईमेल पर प्राप्त हुए थे। एक ट्वीट में महुआ मोइत्रा न एप्पल के चेतावनी संदेश के स्क्रीनशॉट को इस विषय के साथ संलग्न किया जिसमें लिखा था 'राज्य-प्रायोजित हमलावर आपके iPhone को निशाना बना सकते हैं÷।

यह तब हुआ जब मोइत्रा को 2 नवंबर को लोकसभा आचार समिति के सामने पेश होने के लिए कहा गया था, जब उन पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक व्यवसायी से पैसे के बदले में संसद में सवाल पूछने का आरोप लगाया था।

मोइत्रा ने यह भी कहा कि प्रियंका चतुर्वेदी और विपक्षी भारतीय गुट के तीन अन्य लोगों को उनके फोन और ईमेल पर वही संदेश मिले। सरकार पर निशाना साधते हुए मोइत्रा ने ट्वीट किया, 'एप्पल से मुझे संदेश और ईमेल मिला जिसमें चेतावनी दी गई है कि सरकार मेरे फोन और ईमेल को हैक करने की कोशिश कर रही है।

इस बीच, प्रियंका चतुर्वेदी ने भी एक ट्वीट में कहा कि उन्हें भी यही संदेश मिला और पूछा कि क्या गृह मंत्रालय इस मामले की जांच करेगा। उन्होंने कहा 'तो सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि @MahuaMoitra को भी एप्पल से यह चेतावनी मिली है। क्या @HMOIndia जांच करेगा?'

शशि थरूर ने ट्वीट किया 'एप्पल आईडी, Threat-notifications @apple.com से प्राप्त हुआ, जिसे मैंने सत्यापित कर लिया है। प्रामाणिकता की पुष्टि की गई है। मेरे जैसे करदाताओं के खर्चों पर

अल्प-रोज़गार अधिकारियों को व्यस्त रखने में खुशी हुई! इससे अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं करना है?'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

संदिग्ध मसाला बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, 22.71 लाख रुपये के मसाले का जत्था जब्त

बमरोली की बापा सीताराम इंडस्ट्रियल सोसायटी में खाद्य विभाग ने सूचना के आधार पर छापेमारी की

एवरेस्ट की पैकेजिंग में नकली मसालों का इस्तेमाल किया जाता था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : सूरत के बमरोली इलाके में नगर पालिका के खाद्य विभाग की ओर से छापेमारी की गई है। नगर निगम के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने यह छापेमारी इस संदेह में की है कि एक नामी कंपनी के नाम का इस्तेमाल कर संदिग्ध मसाले बनाए और बेचे जा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने चिकन और मटन मसालों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। इसके साथ ही 22.71 लाख रुपये कीमत का माल भी जब्त किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत नगर पालिका के खाद्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को सूचना मिली कि बमरोली के बापा सीताराम औद्योगिक सोसायटी स्थित एसीटी फैक्ट्री में संदिग्ध मसालों का निर्माण किया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने छापेमारी की। जांच के दौरान पता चला कि पवन प्रकाश कलाल संदिग्ध मसाला बना रहे थे। जांच में पता चला कि वह मशहूर मसाला कंपनी एवरेस्ट के नाम से चिकन मसाला, मटन मसाला बना रहा था।

इसलिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पवन प्रकाश कलाल के खिलाफ कार्रवाई की। एवरेस्ट कंपनी के नाम से उत्पादित एवरेस्ट चिकन मसाला, मटन मसाला और लूज मसाला की 6121 किलोग्राम मात्रा जब्त कर ली गई। खाद्य विभाग को शक हुआ तो बड़ी मात्रा में मसाले जब्त कर लिए गए। इसके बाद मसाले के नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। रिपोर्ट के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी।

108 टीम ने एयरपोर्ट गेट के सामने सड़क पर ही महिला की प्रसूति कराई

मां ने स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : गर्भवती महिलाओं के लिए हर पल कीमती है। डिलीवरी के समय बहुत सावधान रहना पड़ता है। महिला ने सूरत एयरपोर्ट के गेट के सामने सार्वजनिक सड़क पर बच्चे को जन्म दिया। महिलाओं ने साड़ियों और चादरों का ढेर बनाकर डिलीवरी कराई। इस तरह मां ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। बाद में महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। सूरत एयरपोर्ट के सामने एक गर्भवती महिला ने सरेआम बच्चे को जन्म दिया। रूपाबेन राठौड़ डुमस के हलपति वास में रहती हैं। वह 9 महीने की गर्भवती थी। प्रसव का समय नजदीक आते ही दर्द शुरू हो गया। महिला को इको कार से अस्पताल ले जाया जा रहा था। उस दौरान अधिक दर्द की सूचना 108 को दी।

108 ने जाँच करने पर महिला को तुरंत बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर किया गया। महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। महिला को 108 में लिटाने का समय नहीं होने के कारण सार्वजनिक सड़क पर ही उसका प्रसव हो गया। प्रसव के बाद बच्चा स्वस्थ होने के कारण महिला को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर राष्ट्रीय एकता की शपथ के साथ "राष्ट्रीय एकता दौड़" आयोजित

पुलिस परेड ग्राउंड से पार्ले पॉइंट ब्रिज के नीचे सरगम शॉपिंग से वापस पुलिस ग्राऊन्ड तक तीन किलोमीटर की दौड़ हुई

पुलिस आयुक्तसहित अधिकारी राष्ट्रीय एकता दौड़ में शामिल हुए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : देश की एकता और अखंडता के प्रेरणास्रोत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती ३१ अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सूरत में सूरत शहर पुलिस और नगर निगम की संयुक्त पहल पर च्याष्ट्रीय एकता दौड़ज्ज का आयोजन किया गया। रैली का उद्घाटन सूरत शहर के महापौर दक्षेश मवानी, उप महापौर डॉ. नरेन्द्र पाटिल, दंडक धर्मेश वानियावाला, स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल, नगर निग आयुक्त शालिनी अग्रवाल और पुलिस आयुक्त अजय कुमार तोमर, सूरत जिला विकास अधिकारी बी.के. वसावा ने हरी झंडी दिखाकर किया।

सूरत शहर के पुलिस परेड ग्राउंड से सुबह-सुबह आयोजित 'राष्ट्रीय एकता दौड़' में पुलिसकर्मी, नेहरू युवा केंद्र के युवा, स्कूली छात्र, नागरिक समेत 3 हजार से ज्यादा लोग एकता की भावना के साथ दौड़ में शामिल हुए।

यह दौड़ पुलिस परेड ग्राउंड से पार्ले प्वाइंट ब्रिज के नीचे से सरगम शॉपिंग सेंटर तक और वहा से वापस पुलिस परेड ग्राउंड परिसर तक 3 किमी थी। रैली में पुलिसकर्मी ने साइबर सेफ सूरत, नो ड्रग्स इन सूरत जैसे नारे लिखे बैनर लेकर शामिल हुए। पुलिस आयुक्त सूरत ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हितेश जॉयसर और अन्य अधिकारी रैली में शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ लेते हुए देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए संकल्पित होने की शपथ ली।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त जिला विकास अधिकारी, सूरत नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी, पुलिस अधिकारी, नागरिक उपस्थित थे।

लगातार तीसरे दिन भी आवारा मवेशियों को पकड़ने का अभियान जारी, तीन दिन में पकड़े गए 193 मवेशी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कोर्ट की सख्ती के बाद नगर निगम का प्रशासन सफलतापूर्वक जगा, तीन शिफ्टों में पशु पकड़ने का काम जारी

नगर पालिका में आज छुट्टी होने के बावजूद दोपहर तक 49 मवेशियों को पकड़कर पिंजरे में भेजा

सूरत : सूरत सहित पूरे गुजरात में आवारा मवेशियों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही है। इस बीच पिछले शुक्रवार को कोर्ट में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई। इसके बाद सरकार ने सूरत सहित सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं को आवारा मवेशियों की समस्या को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसी के चलते सूरत नगर निगम ने ढाई दिन में 193 आवारा मवेशियों पकडने का काम पूरा कर लिया ।

आवारा मवेशियों की समस्या पर कोर्ट द्वारा सरकार को फटकार लगाने के बाद सूरत नगर निगम, कलेक्टर कार्यालय पकड़ने का अभियान शुरू किया। नगर निगम ने पहले दिन यानी रविवार को 80, दूसरे दिन यानी कल सोमवार को 54 और सरदार जयंती की छुट्टी पर दोपहर तक 49 आवारा मवेशियों को पिंजरे में भेजा है।

गुजराती अभिनेता मल्हार ठाकर अदानी अहमदाबाद मैराथन को 'हरी झंडी' देने के लिए मौजूद रहेंगे

अदानी अहमदाबाद मैराथन का सातवां संस्करण 26 नवंबर को आयोजित होने वाला है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद : सबसे बेसब्री से इंतजार किया जाने वाला अदानी अहमदाबाद मैराथन का सातवां संस्करण २६ नवंबर को आयोजित होने वाला है। अदाणी ग्रुप द्वारा आयोजित इस मैराथन को गुजराती अभिनेता मल्हार ठाकर, हरी झंडी दिखाएंगे जो एक कवि भी हैं । 33 वर्षीय मल्हार एक दशक से अधिक समय से गुजराती फिल्म उद्योग के सबसे पहचाने जाने वाले चेहरों में से एक रहे हैं। मैराथन को हरी झंडी दिखाने के लिए दौड़ के दिन मल्हार के साथ महान पूर्व भारतीय क्रिकेटर मिताली राज भी होंगी, जो दो दशकों से अधिक के अपने करियर में सबसे फिट एथलीटों में से एक रही हैं।अदानी #Run4our-Soldiers में प्रतिभागियों की श्रेणियां फुल मैराथन (42.195 किमी), हाफ मैराथन (21.097 किमी), 10 किमी दौड़ और 5 किमी दौड़ हैं।

एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस (एआईएमएस) द्वारा मान्यता प्राप्त, मैराथन में अनुभवी देव कन्डी, एआईएमएस के उपाध्यक्ष और तकनीकी निदेशक, रेस निदेशक के रूप में शामिल होंगे। मैराथन, जो दौड़ने का उत्सव है, हर किसी को पदक जीतने का मौका देता है और सशस्त्र बलों के कल्याण के लिए दान भी देता है। यूनाइटेड वे इंडिया ने इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने में ईमानदारी से भागीदारी की है।

हर साल मैराथन पंजीकरण में तेजी से वृद्धि न केवल एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देती है बल्कि कई लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। मैराथन प्रतिभागी; कोई भी व्यक्तिसशस्त्र बलों के कल्याण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, आजीविका, पर्यावरण, स्थिरता, आपदा राहत और पुनर्वास, विविधता, समानता, समावेश और गैर सरकारी संगठनों की क्षमता निर्माण जैसे कारणों का समर्थन करना चुन सकता है।धावक चैरिटी बिब्स चुनकर धन उगाहने में शामिल हो सकते हैं, जो आय का एक हिस्सा चुने हुए कारणों के लिए आवंटित करता है।

मल्हार ठाकर ने कहा, ''अदानी अहमदाबाद मैराथन गुजरात और भारत के लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण खेल आयोजनों में से एक है और मैं 7वें साल इसके साथ जुड़कर खुश हूं। दौड़ को हरी झंडी दिखाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, और मैं अन्य धावकों और सशस्त्र बलों को भी प्रोत्साहित करने के लिए सभी को अपने जूते बांधने और शुरुआती लाइन पर चढ़ने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।

अदानी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय आदेसरा ने कहा, ''अदानी अहमदाबाद मैराथन परोपकार के लिए एक बेहतरीन मंच है जो एक फिट और स्वस्थ जीवन शैली को भी प्रोत्साहित करता है। एक फिट और स्वस्थ राष्ट्र हमेशा सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करता है। हम उत्साहित हैं कि शहर के लोगों ने दौड़ के प्रति इतना प्यार दिखाया है और यह सुनिश्चित किया है कि मैराथन हर साल बड़ी और बेहतर हो।इस वर्ष एक नए और सुंदर मार्ग के साथ, हमें उम्मीद है कि यह किसी त्यौहार से कम नहीं होगा। हमें उम्मीद है कि सभी प्रतिभागी अच्छे समय के साथ दौड़ पूरी करेंगे।''

विश्वविद्यालय में फुर्सत से नौकरी पर आनेवाले शिक्षकों को शोकॉज नोटिस

कुलाधिपति ने कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी (वीएनएसजीयू) में कर्मचारियों के देर से आने की शिकायत मिली थी। इसके बाद पता चला है कि शिक्षकों के भी समय पर नहीं आने की शिकायत के बाद कुलाधिपति ने अधिकांश शिक्षकों को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा है।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी में विभिन्न प्रोफेसरों को नोटिस जारी किया गया है। 16 विभागों के शिक्षकों के फुर्सद पर नौकरी पर आने के कारण नोटिस दिया गया है। शिक्षकों पर पांच घंटे के शैक्षणिक कार्य का कार्यभार है। काम का बोझ कम होने के बावजूद शिक्षक फुर्सद के समय में काम करने के आदी हैं। जिसमें उपपंजीयक ने नोटिस जारी कर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का अल्टीमेटम दिया था।

विश्वविद्यालय परिसर में 16 विभाग कार्यरत हैं। अधिकांश शिक्षक समय पर नही आने की शिकायत की। शिकायत के बाद रजिस्ट्रार हरकत में आए। उपस्थिति के मुद्दे पर शिक्षकों को फटकार का नोटिस दिया गया है। जिसका जवाब लेट लतीफीगिरी करनेवालों को देना होगा।